दैनिक
राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत उत्तर भारत विशेष कर मालवा जोन (हरियाणा) का एकमात्र दैनिक समाचारपत्र
DAILY BHARAT DESH HAMARA KARNAL

भारत देश हमारा

करनाल
Postal Regd. No. PKL-235/2024-26
www.bharatdeshhamara.com,E-mail-bdhkarnal@gmail.com
मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी | संपादक - डा.के.के.संधू | प्रबन्ध संपादकः सुरेन्द्र सिंह छत्तवाल
PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227 वर्ष 9 अंक 206 सोमवार 27 जुलाई, 2026 Monday 27 July, 2026 मूल्य 2/- रूपए , कुल पृष्ठ 8 मोब :9416406615,7404278000,9215537704

पेपर लीक के खिलाफ आज लोकसभा में पेश हो सकता है नया बिल

नई दिल्ली,26 जुलाई(निस): केंद्र सरकार पेपर लीक रोकने के लिए पब्लिक एग्जामिनेशन एक्ट, 2024 में संशोधन करने जा रही है। पीएम मोदी के आश्वासन के बाद सोमवार को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह लोकसभा में नया बिल पेश कर सकते हैं। इसमें सजा और जुर्माने के प्रावधानों को और सख्त किया गया है। बिल में दो नई धाराएं 12ए और 12बी जोड़ी गई हैं।

पंजाब को दहलाने की साजिश नाकाम,बब्बर खालसा का आतंकी गिरफ्तार

जालंधर, 26 जुलाई (निस) पंजाब पुलिस ने सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद के नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर और जालंधर देहात पुलिस की संयुक्त टीम ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े एक आतंकी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जालंधर से इस आतंकी को पकड़ा है, जिसके पास से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक यह आतंकी मॉड्यूल विदेशों में बैठे अपने हैंडलर्स के इशारों पर काम कर रहा था। आरोपी के पास से 1.3 किलोग्राम हाई एक्सप्लोसिव से भरा एक आईईडी मिला है। आतंकी की अभी पहचान उजागर नहीं की गई है।पंजाब के डीजीपी के मुताबिक इस आईईडी में लोहे के छर्रे और बॉल बेयरिंग भी पैक किए गए थे। विस्फोटक की बनावट और मात्रा से यह साफ जाहिर होता है कि आतंकी पंजाब में हमले की साजिश रच रहे थे। समय रहते की गई कार्रवाई से राज्य की शांति भंग करने की एक बड़ी साजिश नाकाम हो गई है ।

रक्षा क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर बन रहा, शानदार उपलब्धियां-पीएम मोदी

मन की बात में पीएम मोदी ने कारगिल के वीरों को किया नमन

नई दिल्ली, 26 जुलाई (निस) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, बलिदान और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। इस अवसर पर उन्होंने देश की रक्षा क्षमताओं में हो रही प्रगति, आत्मनिर्भर भारत अभियान और रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक की बढ़ती भूमिका का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कारगिल की दुर्गम चोटियों, प्रतिकूल मौसम और दुश्मन की चुनौती के बावजूद भारतीय जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए देश की रक्षा की। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस प्रत्येक भारतीय को गर्व से भर देता है और यह दिन देश के उन वीर सैनिकों के बलिदान की याद दिलाता है जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष कारगिल के वीरों को श्रद्धांजलि देने के लिए विशेष 'शौर्य यात्रा' का भी आयोजन किया गया।प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में जल संरक्षण अभियान 'कैच द रेन' की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि इस अभियान में गांवों और शहरों दोनों जगह लोगों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई है, जिससे जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ी है। इसी के साथ ही रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने हाल ही में भारतीय नौसेना में शामिल किए गए युद्धपोत आईएनएस महेंद्रगिरि का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह आधुनिक युद्धपोत पूरी तरह भारत में डिजाइन और निर्मित किया गया है तथा इसमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उपकरणों का उपयोग हुआ है। उनके अनुसार, यह आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता का सशक्त उदाहरण है। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि इस महीने रक्षा अनुसंधान एवं(शेष पृष्ठ दो पर)

देश के युवाओं की भावनाओं का सम्मान करती है सरकार -अमित शाह

गृह मंत्री शाह ने प्रधान की उपलब्धियों की सराहना की

नई दिल्ली,26 जुलाई(निस): केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के अपने पद से त्यागपत्र देने के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार के लिए देश, देशवासी और विशेषकर युवा पीढ़ी सर्वोपरि हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए किसी भी पद से अधिक महत्वपूर्ण देश और उसकी युवा पीढ़ी का भविष्य है। धर्मेंद्र प्रधान का यह कदम इसी भावना को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार युवाओं की भावनाओं का पूरा सम्मान करती है और पेपर लीक के खिलाफ आवश्यक और कड़े सुधारों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। दोषियों को कठोर दंड देने और नीट परीक्षा में सफल हुए विद्यार्थियों को न्याय दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उठाए गए कदम बेहद सराहनीय हैं।गृह मंत्री ने धर्मेंद्र प्रधान के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, मातृभाषाओं में परीक्षाओं के आयोजन, पीएम श्री विद्यालयों के विस्तार, डिजिटल शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किया है। उनका कार्यकाल भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा है। उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शनों के बीच शिक्षा मंत्री ने अपना पद छोड़ा है। इस्तीफे के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा कि(शेष पृष्ठ दो पर)

गुजरात में भारी बारिश और बाढ़ का तांडवः 31 लोगों की मौत

अहमदाबाद26 जुलाई (निस): गुजरात के विभिन्न हिस्सों में हो रही मूसलाधार बारिश और बाढ़ ने व्यापक तबाही मचाई है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के आंकड़ों के अनुसार, बारिश और जलभराव से जुड़ी विभिन्न दुर्घटनाओं में अब तक 31 लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। राज्य के कई जिलों में स्थिति अब भी बेहद गंभीर बनी हुई है। बिगड़ते हालात को देखते हुए गुजरात सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत, बचाव और पुनर्निर्माण कार्यों को युद्ध स्तर पर तेज कर दिया है। प्रशासन द्वारा राज्यभर में हाई अलर्ट घोषित किया गया है। प्रभावित लोगों की सुरक्षा और त्वरित मदद के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, भारतीय सेना और भारतीय तटरक्षक बल की कुल 49 टीमों को तैनात किया गया है। राहत आयुक्त गौरांग मकवाना के अनुसार, बारिश से जुड़ी ये मौतें मुख्य रूप से तापी, वलसाड, आणंद, मेहसाणा और पंचमहल जिलों में दर्ज की गई हैं। राहत एजेंसियां जलभराव में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही हैं और साथ ही बुनियादी नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है। नर्मदा नहर से पानी के अत्यधिक आवक (शेष पृष्ठ दो पर)

ऑपरेशन सिंदूर ने दिखा दिया आतंकवाद में शामिल लोगों का क्या अंजाम होता है, कारगिल विजय दिवस पर जवानों के बीच पहुंचे रक्षामंत्री,पाकिस्तान को दिया कड़ा संदेश

नई दिल्ली,26 जुलाई (निस): कारगिल विजय दिवस पर जवानों के बीच पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि अब पीओके के अलावा किसी मुद्दे पर चर्चा नहीं होने वाली है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने भारत की जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है और उसे यह जमीन छोड़नी होगी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दिखा दिया है कि आतंकवाद में शामिल लोगों का क्या अंजाम होता है। रक्षामंत्री ने कहा कि पाकिस्तान की हर हरकत का ऐसा जवाब दिया जाएगा जिसकी उसने कल्पना भी नहीं की होगी। सिंह ने कहा कि भारत डेटा सेंटर बनाता है तो वहीं पाकिस्तान कट्टरपंथी सेंटर बनाता है।वहीं कारगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियां कारगिल के नायकों की वीरता की कहानियों से प्रेरणा लेगी। उन्होंने द्रास में कहा कि 27वें कारगिल विजय दिवस पर हमारे बहादुर सैनिकों और उनके साहस को सलाम। उन्होंने कहा कि गारगिल विजय भारत माता के मुकुट में जड़े हीरे के समान है। उनसे पहले लद्दाख के उपराज्यपाल वी के सक्सेना, सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा तथा सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित की। इस दौरान (शेष पृष्ठ दो पर)

तेजप्रताप सहित छात्रों की गिरफ्तारी पर तेजस्वी का सरकार को अल्टीमेटम

पटना, 26 जुलाई (निस) राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता एवं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने विदेश यात्रा से लौटते ही राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने छात्र आंदोलनों के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए मांग की कि गिरफ्तार छात्रों को तत्काल रिहा किया जाए और उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएं। तेजस्वी यादव ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें तय समय में नहीं मानी गईं तो राजद पूरे बिहार में व्यापक आंदोलन शुरू करेगा। पटना तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि पटना सहित कई जिलों में छात्र-छात्राओं पर लाठीचार्ज किया गया और बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले छात्रों के साथ इस प्रकार(शेष पृष्ठ दो पर)

राहुल गांधी का शाह से तीखा सवाल- प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग का आदेश किसने दिया ?, लिखा पत्र

नई दिल्ली,26 जुलाई (निस): लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने छात्र आंदोलन के दौरान कथित लाठीचार्ज और बल प्रयोग को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय करने की मांग करते हुए पूछा है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बल प्रयोग का आदेश किसने दिया था। राहुल गांधी ने कहा कि छात्र केवल निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे थे, लेकिन उनकी बात सुनने के बजाय उन पर बल प्रयोग किया गया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने पत्र में लिखा, कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन नागरिकों का मूल अधिकार है और सरकार की जिम्मेदारी प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ उनकी शिकायतों का संवाद के माध्यम से समाधान करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि आंदोलन के दौरान छात्रों पर अंधाधुंध लाठीचार्ज किया गया, जिसमें बड़ी संख्या(शेष पृष्ठ दो पर)

वायनाड में प्रियंका गांधी ने भूस्खलन वाली जगह का लिया जायजा, घायलों से की मुलाकात

कल्पेट्टा, 26 जुलाई (निस): केरल के वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कल्लाडी में भूस्खलन वाली जगह का दौरा किया। यह भूस्खलन 18 दिन पहले हुआ था, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई थी। इस बीच सवाल उठाए जा रहे थे कि निर्वाचन क्षेत्र की सांसद को आपदा प्रभावित इलाके में पहुंचने में इतनी देर क्यों हुई। प्रियंका गांधी ने भूस्खलन से प्रभावित सुरंग निर्माण स्थल का निरीक्षण किया, प्रभावित परिवारों, अधिकारियों और निर्माण एजेंसी से बातचीत की और बाद में अस्पताल में इलाज करा रहे घायलों से मुलाकात की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने अपने घर(शेष पृष्ठ दो पर)

प्रह्लाद जोशी ने संभाला शिक्षा मंत्रालय का कार्यभारः बोले- प्रधानमंत्री के विश्वास पर खरा उतरने का करूंगा पूरा प्रयास

नई दिल्ली,26 जुलाई(निस): केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को शिक्षा मंत्रालय का कार्यभार संभाल लिया। पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर उन्हें शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। जोशी अपने वर्तमान उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के साथ-साथ अब शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी भी निभाएंगे।शनिवार को राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी अधिसूचना के बाद रविवार को प्रह्लाद जोशी ने शिक्षा मंत्रालय पहुंचकर औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि वह पूरी विनम्रता, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ नई जिम्मेदारी निभाएंगे तथा शिक्षा क्षेत्र में सरकार की प्राथमिकताओं और देश की अपेक्षाओं को पूरा करने का हरसंभव प्रयास करेंगे। प्रह्लाद जोशी ने(शेष पृष्ठ दो पर)

पंजाब सरकार युवाओं के साथ कर रही है धोखा- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एक्साइज इंस्पेक्टर के परीक्षा परिणाम और फार्मेसी के पेपर लीक मामले में सरकार को घेरा

पंजाब के फगवाड़ा में रक्तदान शिविर एवं एम्बुलेंस का किया लोकार्पण

चंडीगढ़,26 जुलाई (अमृतपाल सिंह) हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब में आप पार्टी की सरकार पर युवाओं के साथ धोखा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि हाल ही में पंजाब में एक्साइज इंस्पेक्टर के परीक्षा परिणाम में भारी गड़बड़ी हुई है, पास हुए युवाओं के नाम अजीबोग़रीब हैं। इसके साथ ही अन्य प्रकार की गड़बड़ियां सामने आई है। यही नहीं चार दिन पहले पंजाब सरकार द्वारा आयोजित फार्मेसी का पेपर भी लीक हुआ है जो कि आप पार्टी की सरकार का प्रतिभावान युवाओं के साथ धोखा है।श्री नायब सिंह सैनी रविवार को पंजाब के फगवाड़ा में आयोजित रक्तदान शिविर एवं एम्बुलेंस के लोकार्पण कार्यक्रम में सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री विजय सांपला, राज्यसभा सांसद श्री अशोक मित्तल, संत गुरचरण सिंह पांडवा के अलावा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कार्यक्रम के आयोजक सांपला फाउंडेशन तथा नव्या हेल्पिंग हैंड्स की सेवाभावना की सराहना करते हुए कहा कि इन्होंने सेवा को अपना मिशन बनाया है। समाज में ऐसे संगठनों की संख्या जितनी बढ़ेगी, हमारा देश उतना ही मजबूत बनेगा। उन्होंने मासूम बेटी नव्या को असमय खो देने की गहरी पीड़ा व्यक्त करते हुए उनके परिवार द्वारा उसकी याद में की जा रही सेवा की विराट साधना को नमन किया।उन्होंने युवाओं को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि रक्त की कोई फैक्टरी नहीं होती। इसे किसी मशीन में तैयार नहीं किया जा सकता। विज्ञान ने बहुत प्रगति की है, लेकिन रक्त का निर्माण केवल मानव शरीर में होता है। जरूरतमंद तक यह तभी पहुंचता है, जब कोई रक्तदान करता है। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब की धरती वीरों की धरती है। सेवा और बलिदान की धरती है। श्री गुरु तेग बहादुर जी का त्याग, (शेष पृष्ठ दो पर)

अंत्योदय का संकल्प तभी सार्थक, जब अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ : मनोहर लाल

मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना 2.0 के मेले में केंद्रीयमंत्री के साथ महापौर ने किया स्टालों का अवलोकन

करनाल, 26 जुलाई (मिनाक्षी): केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सरकार की विकास यात्रा तब पूर्ण मानी जाएगी, जब समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक हर जनकल्याणकारी योजना का लाभ सरल, पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से पहुंचे। इसी दृष्टिकोण के साथ समाज के सभी वर्गों का समान रूप से कल्याण हो सकेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना 2.0 के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे अंत्योदय मेले इसी सोच को धरातल पर उतारने का सशक्त प्रयास हैं, जहां पात्र परिवारों को एक ही स्थान पर सरकारी योजनाओं की जानकारी, आवेदन और लाभ उपलब्ध कराने की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। रविवार को आयोजित अंत्योदय मेले में महापौर रेणु बाला गुप्ता ने भी केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के साथ सहभागिता करते हुए विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया तथा अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन, लाभार्थियों को दी जा रही सुविधाओं और सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि अंत्योदय का मूल मंत्र यही है कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकार की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना का लाभ समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से पहुंचे। अंत्योदय मेले इसी लक्ष्य को साकार करने की(शेष पृष्ठ दो पर)

पृष्ठ एक का शेष...

देश के युवाओं की भावनाओं का सम्मान करती

... राष्ट्रसेवा उनके जीवन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वे पिछले चार दशकों से छात्र हित और शिक्षा सुधारों के लिए समर्पित रहे हैं। एक सशक्त और समावेशी शिक्षा प्रणाली ही मजबूत राष्ट्र की नींव होती है और वे युवाओं की न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में काम करने के अवसर के लिए आभार भी व्यक्त किया। 3 मई को आयोजित नीट यूजी परीक्षा में गड़बड़ी का मामला सामने आने के तुरंत बाद केंद्र सरकार ने जांच सीबीआई को सौंपी, परीक्षा रद्द की और पुन: परीक्षा की तारीखें घोषित कीं। साथ ही, आगामी वर्ष से इस परीक्षा को कंप्यूटर आधारित मोड में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। धर्मेंद्र प्रधान ने स्पष्ट किया कि 20 लाख से अधिक विद्यार्थियों के भविष्य को सुरक्षित रखते हुए सुचारू परीक्षा कराना सरकार की पहली प्राथमिकता रही है, जिसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने मिलकर काम किया।

रक्षा क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर बन रहा, ...

विकास संगठन (डीआरडीओ) ने लंबी दूरी के पिनाका गाइडेड रॉकेट तथा कुशा मिसाइल प्रणाली का सफल परीक्षण किया है। उन्होंने इन उपलब्धियों का श्रेय देश के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और रक्षा विशेषज्ञों को देते हुए कहा कि उनकी मेहनत के कारण भारत रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत केवल अपनी रक्षा जरूरतों को पूरा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि रक्षा उपकरणों के निर्यात और रणनीतिक साझेदारी के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने इंडोनेशिया के साथ ब्रह्मोस और अस्त्र मिसाइलों से जुड़े रक्षा सहयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय रक्षा तकनीक और स्वदेशी हथियारों पर दुनिया का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। उनके अनुसार, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिला रही है।

फिजिक्स ऑलंपियाड का किया जिक्र – पीएम मोदी ने फिजिक्स ऑलंपियाड का जिक्र करते हुए कहा कि फिजिक्स ऑलंपियाड में हमारे सभी पांच छात्रों ने गोल्ड मेडल जीता और भारत ने पहली रैंक हासिल की। पिछले एक दशक में आयोजित हर फिजिक्स ऑलंपियाड में हमारे देश के छात्रों ने गोल्ड या सिल्वर मेडल जरूर जीते हैं। उन्होंने कहा कि केमिस्ट्री ऑलंपियाड में भी हमारे सभी छात्रों ने गोल्ड मेडल जीते। यह अब तक की बेस्ट परफॉर्मेंस रही है। पीएम मोदी ने कहा बायोलॉजी ऑलंपियाड में भी हमारे सभी छात्रों ने मेडल जीते, इनमें एक गोल्ड मेडल भी शामिल है। वहीं, गणित ऑलंपियाड में भी हमारे छात्रों ने दो स्वर्ण और चार रजत पदक अपने नाम किए हैं।

पीवी सिंधु का किया जिक्र – प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में कहा, हमारे युवाओं ने हाल के दिनों में स्पोर्ट्स में कई शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा, पीवी सिंधु बैडमिंटन में जापान ऑपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। उनकी इस उपलब्धि पर संपूर्ण देश को गर्व है। उन्होंने कहा, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भी लंदन में लॉर्ड्स स्टेडियम में अपना पहला टेस्ट मैच जीता है, जो कि एक ऐतिहासिक जीत है।

तेजप्रताप सहित छात्रों की गिरफ्तारी पर तेजस्वी

... का व्यवहार स्वीकार नहीं किया जा सकता। उनके अनुसार, सरकार को संवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान करना चाहिए था। राजद नेता ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में कानून–व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि यदि अगले दिन तक छात्रों के खिलाफ दर्ज सभी मामले वापस नहीं लिए गए और गिरफ्तार छात्रों को रिहा नहीं किया गया, तो उनकी पार्टी राज्यव्यापी आंदोलन छेड़ेगी। तेजस्वी यादव ने अपने बड़े भाई और राजद नेता तेज प्रताप यादव के खिलाफ दर्ज मामले का भी उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि तेज प्रताप यादव सहित कई विधायकों पर गंभीर धाराओं में मामले दर्ज किए गए हैं, जिसे उन्होंने तानाशाही करार दिया। उनका कहना था कि विपक्ष की आवाज दबाने के लिए कानून का दुरुपयोग किया जा रहा है।

सूचना

सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि किसी कारणवश यदि भारत देश हमारा व चड़्दीकला समाचारपत्र आपको नियमित रूप से नहीं मिल रहा है तो कृपया नीचे दिए फोन नंबर पर संपर्क करें।

मोब: 9416406615

पाठकों हेतु आवश्यक सूचना

समाचार–पत्र दैनिक भारत देश हमारा करनाल में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों की जिम्मेवारी नहीं लेता। हमारा समाचार पत्र इनको प्रमाणित नहीं करता। पाठकों से निवेदन है कि वे इन विज्ञापनों पर कार्रवाई करने से पूर्व तथ्यों की पुष्टि अवश्य कर लें।

सूचना

हरियाणा में चढ़दीकला टाईम टीवी न्यूज चैनल, भारत देश हमारा व रोजाना चढ़दीकला पंजाबी समाचार पत्र में पत्रकार बनने तथा विज्ञापन एवं समाचार देने के लिए संपर्क करे।

कार्यालय: 15–ए, माल रोड़
नजदीक अम्बेडकर चौंक, करनाल
मोब: 9416406615

सदा आपके साथ

जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, संयुक्त परिवार और ग्रुप सैल्फी (2 से अधिक) की फोटो हमें भेजें।
नोट: मेल में नाम पता व मोबाईल नंबर जरूर लिखें।
सभी सेवाएं निशुल्क है।
E-mail chardikla.hr@gmail.com
Whatsapp: 9896359037, 8307425115

आवश्यक सूचना

दैनिक पंजाबी चढ़दीकला एवं हिन्दी दैनिक भारत देश हमारा समाचार–पत्र में खबरें एवं विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें।
कार्यालय 26 ग्रीनपार्क तहसील टाऊन पानीपत।
मोब: 9215537704, 7206600325, 7206300081

कृष्ण कुमार सन्धु, सम्पादक, पब्लिशर व श्रीमती सुमन लता प्रिंटर ने दैनिक भारत देश हमारा जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब, सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह दर्दी से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा, 15-ए, माल रोड, करनाल से प्रकाशित किया (सम्पादक - कृष्ण कुमार सन्धु)
PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227

अंत्योदय का संकल्प तभी सार्थक, जब अंतिम पात्र व्यक्ति तक

... दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण पहल हैं। उन्होंने कहा कि यह सुखद है कि पात्र लाभार्थियों को एक ही परिसर में विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ–साथ मौके पर आवेदन करने तथा पात्रता के अनुसार लाभ उपलब्ध कराने की पारदर्शी और सुगम व्यवस्था बनाई गई है। महापौर ने कहा कि अंत्योदय मेले केवल योजनाओं के प्रचार–प्रसार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने, आत्मनिर्भर बनाने और शासन को जन–जन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बन चुके हैं। ऐसे आयोजन जनकल्याण, सुशासन और समावेशी विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हैं तथा पात्र परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर रहे हैं। मेले में बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और सुझावों को जाना। इस अवसर पर विधायक जगमोहन आनंद, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर, केंद्रीय मंत्री के प्रतिनिधि कवीन्द्र राणा, विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

ऑपरेशन सिंदूर ने दिखा दिया आतंकवाद में शामिल लोगों का

... तीन हेलीकॉप्टरों ने एरोहेड की संरचना में उड़ान भरी। इसमें एक उन्नत हल्का हेलीकॉप्टर सबसे आगे था और उसके पीछे दो चीतल हेलीकॉप्टर थे। इन हेलीकॉप्टरों ने युद्ध स्मारक पर पुष्पवर्षा की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार शाम द्रास में बारिश के बीच भारतीय सेना ने शौर्य संध्या का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में ऑपरेशन विजय के दौरान भारतीय सैनिकों द्वारा दिखाए गए अदम्य साहस को याद किया गया और कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। रक्षा मंत्री ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और कारगिल युद्ध में शहीद हुए कुछ सैनिकों के परिजनों को प्रतीकात्मक कलश भी सौंपा। भारतीय सेना ऑपरेशन विजय की 27वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में द्रास में कई कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। यह अवसर 1999 की उस ऐतिहासिक जीत की याद दिलाता है, जब भारतीय सैनिकों ने बर्फ से ढकी ऊंची चोटियों और पाकिस्तानी सैनिकों की लगातार गोलीबारी का सामना करते हुए कारगिल की चोटियों पर दोबारा कब्जा किया था।

राहुल गांधी का शाह से तीखा सवाल-प्रदर्शनकारियों

... में छात्र घायल हुए। साथ ही उन्होंने दावा किया कि महिला प्रदर्शनकारियों के साथ भी दुर्व्यवहार की घटनाएं सामने आईं।पत्र में राहुल गांधी ने मीडिया और सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों का हवाला देते हुए प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर पेलेट गन के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए। उन्होंने हरियाणा के 19 वर्षीय छात्र साहिल लोचब का उल्लेख करते हुए दावा किया कि वह पेलेट गन से घायल हुआ है और उसकी एक आंख की रोशनी प्रभावित होने का खतरा है। राहुल गांधी ने गृह मंत्री से पूछा कि क्या छात्रों के खिलाफ पेलेट गन समेत घातक बल प्रयोग की अनुमति केंद्र सरकार की ओर से दी गई थी? यदि नहीं, तो ऐसे आदेश किस स्तर पर जारी किए गए? कांग्रेस नेता ने अपने पत्र में एक अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न उठाते हुए पूछा कि प्रदर्शन के दौरान सादे कपड़ों में छात्रों पर लाठियां चलाते दिखाई देने वाले लोग कौन थे? उन्होंने जानना चाहा कि क्या वे पुलिसकर्मी थे या किसी अन्य एजेंसी अथवा स्वयंसेवक के सदस्य, और उनकी तैनाती किसके निर्देश पर की गई थी? इसी के साथ ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति को बल प्रयोग से दबाने के बजाय संवाद के माध्यम से समाधान तलाशना सरकार की जिम्मेदारी है। उनके अनुसार, छात्रों पर हुई कथित हिंसक कार्रवाई ने लोकतांत्रिक मूल्यों को आघात पहुंचाया है और देश के युवा इस पूरे घटनाक्रम में जवाबदेही चाहते हैं। गृह मंत्रालय की ओर से राहुल गांधी के पत्र पर फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

प्राद जोशी ने संभाला शिक्षा मंत्रालय का कार्यभार

... कहा कि पिछले वर्षों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन सहित शिक्षा क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में काम जारी रहेगा। यहां बताते चलें कि प्रह्लाद जोशी कर्नाटक की धारवाड़ लोकसभा सीट से लगातार पांच बार सांसद चुने जा चुके हैं और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते हैं। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पृष्ठभूमि से जुड़े रहे हैं तथा संगठन और सरकार दोनों में लंबा अनुभव रखते हैं। इससे पहले वे संसदीय कार्य, कोयला एवं खान जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। वर्तमान में वे उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय का नेतृत्व कर रहे हैं।

वायनाड में प्रियंका गांधी ने भूस्खलन वाली जगह

... और परिवार के सदस्यों को खोने वाले लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर जरूरी मदद देगी। यह दौरा ऐसे समय में हुआ, जब वायनाड में इस बात को लेकर चर्चा हो रही थी कि जुलाई में हुए भूस्खलन के ठीक बाद के अहम दिनों में सांसद वहां मौजूद नहीं थीं, जबकि उस समय बचाव कार्य चल रहा था और आठ लोगों की जान चली गई थी। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि वह हालात पर नजर रख रही थीं, लेकिन शनिवार को उन्होंने आपदा वाली जगह का पहली बार दौरा किया।प्रियंका ने कहा कि वायनाड के लोग मुश्किल समय में हमेशा एकजुट रहे हैं और मुसीबत में फंसे लोगों की मदद की है। बचाव कार्य देश की सच्ची भावना को दर्शाता है, जिसमें वॉलंटियर्स और बचाव कर्मियों ने पीड़ितों की स्थिति, धर्म या लिंग की परवाह किए बिना मदद की। उन्होंने कहा कि बचाव करने वालों ने यह नहीं पूछा कि पीड़ित कहां से आए हैं, किस धर्म के हैं या वे कौन हैं। वे बस साथी इंसानों की मदद के लिए आगे आए। यही भारत की भावना है, और हमें इसी भावना को जिंदा रखना है।

गुजरात में भारी बारिश और बाढ़ का तांडव:

...के कारण सुरेंद्रनगर जिले में स्थित धोलीधाजा डैम अपनी 100 प्रतिशत क्षमता तक पहुंच चुका है। खतरे की संभावना को देखते हुए अधिकारियों ने सुरेंद्रनगर, रतनपार, जोरावरनगर, वधवान, मेमका, भदियाद, नाना केरला, सांकली, शियाणी, नटवरगढ़, दौलतपार समेत कई निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया है। ग्रामीणों और स्थानीय निवासियों को नदियों के पास न जाने तथा अपने सामान और मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने की सख्त हिदायत दी गई है।भारी जलभराव के चलते यातायात व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। चांगोदर और बावला के बीच स्थित सनाथल–बगोदरा हाईवे पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। चालकों को वैकल्पिक मार्ग के रूप में धोलेरा एक्सप्रेसवे और वेजलका–बगोदरा रूट का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने पूर्व उद्योग मंत्री शशिपाल मेहता से अस्पताल में की मुलाकात, जाना कुशलक्षेम, की जल्द स्वस्थ होने की कामना

करनाल, 26 जुलाई (सोनी दुआ): केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने करनाल प्रवास के दौरान आज हरियाणा के पूर्व उद्योग मंत्री शशिपाल मेहता से एक निजी अस्पताल में मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य का हालचाल जाना। मनोहर लाल ने ईश्वर से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ और दीर्घायु की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि पूर्व उद्योग मंत्री शशिपाल मेहता ने मुख्यमंत्री बंसी लाल के शासनकाल में प्रदेश के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शशिपाल मेहता एक समाजसेवी के रूप में जाने जाते हैं व हर परिवार के सुख–दुख में शामिल होते हैं। इस मौके पर मनोहर लाल ने शशिपाल मेहता के सुपुत्र एवं पार्षद संजीव मेहता को हौसला दिया। मुलाकात के दौरान केंद्रीय मंत्री ने डॉक्टरों से उनके उपचार और स्वास्थ्य सुधार के संबंध में जानकारी ली। इस मौके पर विधायक जगमोहन आनंद ने भी शशिपाल मेहता से मुलाकात कर उनका हालचाल लिया और उनके स्वस्थ होने की मंगल कामना की। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर, सांसद प्रतिनिधि कवींद्र राणा व भाजपा नेता अशोक भंडारी भी मौजूद रहे।

कारगिल के अमर वीरों को नमन, मन की बात के प्रेरक संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान :विधायक शक्तिरानी शर्मा

पिंजौर, 26 जुलाई (अजीत सिंह, अख्तर फारूकी): कालका की लोकप्रिय विधायक शक्तिरानी शर्मा ने रविवार को कालका विधानसभा क्षेत्र के रायतन मंडल स्थित हिमशिखा शक्ति केंद्र के बूथ संख्या 116–117 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 136वें संस्करण का सामूहिक श्रवण किया। राज कुमार शर्मा के आवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अदम्य साहस और शौर्य को नमन किया। उन्होंने जल संरक्षण के लिए कैच द रेन अभियान, पर्यावरण संरक्षण हेतु एक पेड़ मां के नाम अभियान, हर घर तिरंगा अभियान, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने, विज्ञान, खेल और नवाचार से जुड़े प्रेरक उदाहरणों के माध्यम से देशवासियों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया। इस अवसर पर विधायक शक्तिरानी शर्मा ने कारगिल विजय दिवस पर मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर वीर सैनिकों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि उनका अदम्य साहस, शौर्य और राष्ट्र के प्रति समर्पण प्रत्येक भारतीय के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि मन की बात आज देश के करोड़ों नागरिकों को प्रेरित करने वाला एक प्रभावी जनसंवाद बन चुका है। प्रधानमंत्री शल नरेंद्र मोदी समाज के प्रेरणादायी कार्यों, नवाचार, पर्यावरण संरक्षण, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों को जन–जन तक पहुंचाकर सकारात्मक परिवर्तन का वातावरण तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा जल संरक्षण के लिए कैच द रेन, पर्यावरण संरक्षण हेतु एक पेड़ मां के नाम तथा आगामी हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने का आह्वान प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरणादायी है। प्रत्येक नागरिक को इन संदेशों को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए प्रकृति संरक्षण, राष्ट्रसेवा और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम में भाजपा के पदाधिकारी, बूथ कार्यकर्ता तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

प्रभातफेरी में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, मची श्री कृष्ण नाम की धूम

शाहाबाद मारकंडा, 26 जुलाई (रूबी): श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री कृष्ण मंदिर सभा द्वारा निकाली जा रही प्रभातफेरियों की श्रृंखला में रविवार की प्रभातफेरी समूह संगत की ओर से श्री कृष्ण मंदिर प्रांगण में आयोजित करवाई गई। प्रभातफेरी का शुभारंभ पंडित कमलेश्वर प्रसाद द्वारा विधि–विधान से पूजन–अर्चना कर कराया गया। प्रभातफेरी के दौरान संपूर्ण मंदिर परिसर भगवान श्री कृष्ण के जयकारों और मधुर भजनों से भक्तिमय हो उठा। भजन मंडली में त्रिलोक आहूजा, वेद गगनेजा, संजीव सचदेवा, रवि शर्मा, गिरीश आनंद, अनमोल छाबड़ा, राजू सपड़ा, प्रिंस सचदेवा, रमेश नारंग, ममता गगनेजा, नव्या शर्मा, सानवी सुखीजा, अनुराधा शर्मा तथा गीता मदान सहित अन्य श्रद्धालुओं ने श्री कृष्ण की महिमा का गुणगान करते हुए मनमोहक भजन प्रस्तुत किए। भजनों पर श्रद्धालु भाव–विभोर होकर झूमे। मंदिर सभा के चेयरमैन ढूंडराज आनंद, प्रधान राम कृष्ण हसीजा, विधायक राम करण काला, नगरपालिका प्रधान गुलशन कवातरा ने भगवान श्री कृष्ण की आरती व पूजन किया। इस अवसर पर कुलवंत शर्मा, उपप्रधान राज कुमार चुघ, सुखदेव राज शर्मा, बलदेव राज सेठी, कोषाध्यक्ष सुशील शर्मा, भगत राम गगनेजा, सुरजीत विनायक, मनजीत शिवालिक, श्याम लाल सचदेवा, विजय धवन, साहिल सुखीजा, महिंदर सुखीजा, तरसेम लाल, दरबारी लाल बवेजा, महादेव सुखीजा, अजय कुमार, नागेश शर्मा, नवनीत सचदेवा, शशिकांत, हरीश विरमानी, प्रवीण मदान, हरीश चुघ, कृष्ण लाल सचदेवा, बलदेव राज मदान, टेक चंद मल्होत्रा, पवन नारंग, अमित सचदेवा, शशि कपूर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

आयुष्मान व चिरायु योजना के तहत लाभार्थियों को मिल रही निशुल्क उपचार की सुविधाविश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, 26 जुलाई (करणदीप सिह): उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि आयुष्मान भारत और चिरायु आयुष्मान हरियाणा योजना पात्र परिवारों के लिए निःशुल्क उपचार में मददगार साबित हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के मद्देनजर आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का शुभारंभ किया गया था। आयुष्मान भारत योजना में पांच लाख तक का सालाना लाभ लाभार्थी परिवार को दिया जाता है। यह चिकित्सा लाभ बिल्कुल कैशलेस और पेपरलेस है, जिसमें लाभार्थी अपना आयुष्मान कार्ड दिखाकर पैनल वाले अस्पताल में अपना इलाज करवा सकता है। इस योजना में द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी की चिकित्सा सुविधा शामिल की गई है। उपायुक्त ने कहा कि इसी कड़ी के जुड़ाव में हरियाणा सरकार द्वारा चिरायु आयुष्मान हरियाणा योजना का शुभारंभ नवंबर 2022 में किया गया है। इस योजना के अंतर्गत वार्षिक आय एक लाख 80 हजार से नीचे वेरीफाइड इनकम वाले परिवारों को इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभार्थी बनाया गया है जिसमें वेरीफाई इनकम परिवारों का डाटाबेस नेशनल हेल्थ एजेंसी द्वारा कंज्यूम किया जाता है। वहीं एक लाख 80 हजार से तीन लाख रुपए वार्षिक आय वाले परिवार केवल पंद्रह सौ रुपए प्रीमियम की अदायगी के साथ योजना का लाभ ले सकते हैं। ऐसे परिवारों को प्रति वर्ष प्रीमियम की राशि का भुगतान करते हुए कार्ड का नवीनीकरण कराना होगा।

पंजाब सरकार युवाओं के साथ कर रही है धोखा...

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की वीरता और शहीद–ए–आजम भगत सिंह का बलिदान हमें सिखाता है कि जीवन की महानता उसके उ?द्देश्य में होती है।मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कारगिल विजय दिवस पर उन वीर सैनिकों को भी श्रद्धापूर्वक नमन किया, भारत माता की रक्षा करते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया था। उन्होंने कहा कि हमारे वीर जवानों ने अपना रक्त देकर राष्ट्र की सीमाओं की रक्षा की और आज हमारे रक्तदाता अपना रक्त देकर मानव जीवन की रक्षा करने का संकल्प ले रहे हैं। एक ओर राष्ट्ररक्षा का अदम्य साहस है, दूसरी ओर जीवनरक्षा की अनुपम करुणा है। दोनों के मूल में त्याग है, कर्तव्य है और अपने से पहले दूसरों को रखने की महान भावना है।मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा सरकार द्वारा नशा के ख़िलाफ़ चलाए जा रहे अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि युवाओं को मैराथन एवं अन्य गतिविधियों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है , क्योंकि अगर एक युवा नशा करता है तो उसके परिवार पर प्रतिकूल असर पड़ता है और गरीबी के दलदल में धंसता चला जाता है। उन्होंने सरकार द्वारा हरियाणा में चलाई गई योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि एक लाख अस्सी हजार रूपये तक वार्षिक आय वाली महिलाओं को मात्र 500 रूपये में गैस का सिलेंडर उपलब्ध करवाया जा रहा है , लाडो लक्ष्मी योजना के तहत पात्र महिला को 2100 रूपये प्रतिमाह दिए जा रहे हैं। किसानों की 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में युवाओं को बिना पर्ची खर्ची मेरिट के आधार पर नौकरियां दी जा रही हैं। दो दिन पहले जो जेबीटी अध्यापकों का परीक्षा परिणाम आया है उसमें 1500 युवाओं को मेरिट के आधार पर नौकरी मिली है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सभी वर्ग केंद्र एवं प्रदेश सरकार की नीतियों से खुश हैं।

अंत्योदय परिवार उत्थान योजना आशाओं, अवसरों और आत्मनिर्भरता का है मेला : नायब सिंह सैनी

लाडवा, 26 जुलाई (रामगोपाल): मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत प्रदेशभर में लगने वाले अंत्योदय मेले आशाओं, अवसरों और आत्मनिर्भरताओं के मेले है। इन अंत्योदय मेलों के माध्यम से सरकार का प्रयास है कि विकास के लाभ उन लोगों तक पहुंचाया जाए, जो दशकों से उपेक्षित रहे है। इन मेलों के एक मंच पर ही 19 विभागों की 47 योजनाओं का लाभ सीधा पात्र लाभार्थी को दिया जा रहा है। अहम पहलू यह है कि प्रदेश में अब तक 166 जगहों पर अंत्योदय मेलों का आयोजन किया जा चुका है। इन मेलों में 4 लाख 24 हजार 278 परिवारों को आमंत्रित भी किया गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को लाडवा के आईजीएन कॉलेज में जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत आयोजित अंत्योदय मेला में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार योजना मेले का उदघाटन किया और इस मेले में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं के लाभ देने के लिए लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव गोबिंदपुरा निवासी लाभार्थी ताराचंद को पीएम स्ट्रीट वैंडर योजना के तहत स्वीकृति पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने पौधा भेंट कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि लाड़वा में आज अंत्योदय परिवारों की आशाओं का मेला लगा है, अवसरों का मेला लगा है, आत्मनिर्भरता का मेला लगा है। आज सरकार स्वयं चलकर उस गरीब जरूरतमंद परिवार के पास पहुंची है, जो अपने अधिकार और अवसर की प्रतीक्षा कर रहा है। यह अंत्योदय मेला उस संकल्प का जीवंत स्वरूप है, जिसमें सरकार की प्रत्येक योजना, प्रत्येक संसाधन और प्रत्येक प्रयास अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति के लिए है। उन्होंने कहा कि अंत्योदय हमारे लिए केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति का संस्कार है। हमारी परंपरा ने हमें सिखाया है सर्वे भवन्तु सुखिन:, सर्वे सन्तु निरामया:। यानी सभी सुखी हों, सभी स्वस्थ हों और कोई भी दुखी न रहे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने इसी भावना को अंत्योदय का नाम दिया। उनका विचार था कि विकास की सार्थकता तभी है, जब उसका प्रकाश अंतिम घर तक पहुंचे और उसकी गर्माहट अंतिम व्यक्ति अनुभव करे।उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में डबल इंजन सरकार इसी विचार को जमीन पर उतार रही है। सरकार का संकल्प स्पष्ट है, कोई गरीब पीछे नहीं रहेगा, कोई जरूरतमंद अवसर से वंचित नहीं रहेगा और किसी परिवार को केवल इसलिए आगे बढ़ने से नहीं रोका जाएगा कि उसके पास साधन, संपर्क या सही जानकारी नहीं है। सरकार के लिए शासन का अर्थ केवल कार्यालयों में फाइलें चलाना नहीं है, बल्कि जनता की कठिनाइयों को समझना, समाधान को सरल बनाना और उस समाधान को जरूरतमंद के द्वार तक पहुंचाना है। कई बार व्यक्ति के पास आगे बढ़ने की क्षमता होती है, पर उसे सही अवसर नहीं मिलता। किसी युवा के हाथ में हुनर है, लेकिन रोजगार का मार्ग नहीं है। कोई महिला अपना व्यवसाय शुरू करना चाहती है, पर उसे ऋण और प्रशिक्षण की जानकारी नहीं है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कोई श्रमिक मेहनत करने को तैयार है, लेकिन वह उचित योजना से जुड़ नहीं पाता। किसी परिवार के पास छोटा उद्योग शुरू करने का सपना है, पर बैंक और विभाग के बीच की प्रक्रिया उसे कठिन लगती है। सरकार की मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना ऐसी ही दूरियों को समाप्त करने का मार्ग है। इस योजना का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि हर जरूरतमंद परिवार को स्थायी आजीविका से जोड़ना है। स्वरोजगार, कौशल विकास, रोजगार, वित्तीय समावेशन और सामाजिक कल्याण से जुड़ी योजनाओं को एक मंच पर लाकर पात्र परिवारों को उनकी आवश्यकता और योग्यता के अनुसार अवसर प्रदान करना हैं। यहां परिवार को केवल आवेदन देकर वापस नहीं भेजा जाता। उसकी रुचि, क्षमता, परिस्थिति और आवश्यकता को समझकर उचित मार्गदर्शन देने का प्रयास किया जाता है।

प्रदेश में अब तक 166 स्थानों पर अंत्योदय मेलों का हुआ सफल आयोजन

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के पहले चरण में उल्लेखनीय यात्रा तय की है। प्रदेश में अब तक 166 स्थानों पर अंत्योदय मेलों का आयोजन किया गया है। इन मेलों के दौरान 4 लाख 24 हजार 272 परिवारों का आमंत्रित किया गया और 1 लाख 88 हजार 792 परिवार मेलों में पहुंचे। इनमें से 1 लाख 52 हजार 157 परिवारों को विभाग के पास भेजा गया। उन्होंने कहा कि अब तक 55 हजार 422 पात्र लाभार्थियों तक आजीविका के लाभ पहुंचे है।

घर बैठे ऑटो मोड से 40 लाख परिवारों के बनाए गए बीपीएल कार्ड – मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी सरकारी योजनाओं और सेवाओं को परिवार पहचान-पत्र से जोड़ा गया है। घर बैठे ऑटो मोड में अब तक लगभग 40 लाख परिवारों के बीपीएल कार्ड बनाए गए हैं। इसके अलावा गरीब परिवार को मुफ्त चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना-चिरायु योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज किया जाता है। अब तक लगभग 30 लाख लोगों का 4 हजार 314 करोड़ रुपये की लागत से मुफ्त इलाज करवाया जा चुका है। सरकार ने किडनी के रोग से पीड़ित रोगियों के लिए सभी सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में मुफ्त डायलिसिस की सेवाएं शुरू की है।

3 लाख 81 हजार बेटियों को शादी पर दी 1523 करोड़ रुपए की शगुन राशि

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के तहत अनुसूचित जाति के गरीब परिवारों की बहन-बेटियों की शादी पर 71 हजार रुपये तक शगुन राशि दी जाती है। अब तक 3 लाख 85 हजार बेटियों की शादी पर 1 हजार 523 करोड़ रुपये शगुन राशि दी गई। गरीब महिलाओं को अपनी रसोई चलाने के लिए हर महीने केवल 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। यह लाभ प्रदेश के लगभग 14 लाख 43 हजार परिवारों को मिल रहा है। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन, मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी, एडीसी विवेक आर्य, एसडीएम अनुभव मेहता, चेयरमैन सुभाष कलसाना, भाजपा के वरिष्ठ नेता जयभगवान शर्मा डीडी, चेयरमैन गुरनाम सैनी, चेयरमैन रविंद्र सांगवान, जिलाध्यक्ष रमेश सैनी, चेयरपर्सन साक्षी खुराना, चेयरमैन डा. गणेश दत्त, चेयरमैन सतीश मथाना, मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी, प्रधान जितेंद्र खैरा, प्रदेश सचिव राहुल राणा, मंडलाध्यक्ष शिव गुप्ता, मंडलाध्यक्ष विकास शर्मा, मंडलाध्यक्ष नरेंद्र दबखेड़ा, मंडलाध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, सतबीर मंगोली, नायब सिंह पटाक माजरा, पूनम सैनी सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

लाडवा के सुगनी देवी स्कूल में थ्योरी ऑफ नॉलेज विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

इस प्रकार की कार्यशालाएँ शिक्षकों के ज्ञान और शिक्षण कौशल को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं : पूजा छाबड़ा

लाडवा, 26 जुलाई (रामगोपाल): लाडवा के सुगनी देवी आर्य गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षकों की शिक्षण गुणवत्ता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से थ्योरी ऑफ नॉलेज विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का

आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में आसपास के विभिन्न विद्यालयों से आए लगभग 60 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सीबीएसई की ओर से कार्यशाला के रिसोर्स पर्सन डॉ. अनुपम हांडा एवं कविता लालर ने %थ्योरी ऑफ नॉलेज% की अवधारणा, ज्ञान के विभिन्न स्रोतों, आलोचनात्मक चिंतन तथा विद्यार्थियों में तार्किक एवं विश्लेषणात्मक सोच विकसित करने के प्रभावी तरीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने सहभागियों को विभिन्न गतिविधियों एवं उदाहरणों के माध्यम से विषय को सरल एवं रोचक ढंग से समझाया। कार्यशाला के दौरान शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने अनुभव साझा किए तथा विषय से संबंधित अनेक जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया। विद्यालय की प्रधानाचार्या पूजा छाबड़ा ने सभी अतिथियों, रिसोर्स पर्सन्स एवं प्रतिभागी शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ शिक्षकों के ज्ञान और शिक्षण कौशल को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास में भी सहायक सिद्ध होती हैं।

कारगिल विजय दिवस पर देशभक्ति के रंग में रंगा डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, नरवाना

देशभक्ति गीतों, भाषणों और रचनात्मक प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने वीर शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नरवाना,26 जुलाई (नरेन्द्र कुमार): डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल नरवाना में शनिवार को कारगिल विजय दिवस पूरे उत्साह, गरिमा और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर भारत

माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से गूंज उठा। विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से कारगिल युद्ध के अमर शहीदों और वीर सैनिकों के अदम्य साहस, शौर्य एवं सर्वोच्च बलिदान को भावपूर्ण नमन किया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने सलाम उन शहीदों को तथा दो सौ हो गए ऐ वतन के बहादुर जवान जैसे देशभक्ति गीतों की प्रभावशाली प्रस्तुतियां देकर उपस्थित सभी को भावुक कर दिया। इन प्रस्तुतियों ने देश के प्रति सम्मान, समर्पण और सैनिकों के प्रति गर्व की भावना को और अधिक प्रबल किया।इस अवसर पर कक्षा पहली से नौवीं तक के विद्यार्थियों के लिए पोस्टर मेकिंग एवं आर्टिकल राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए कारगिल विजय, राष्ट्रप्रेम और वीर जवानों के बलिदान को अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन महात्मा आनंद स्वामी हाउस के तत्वावधान में किया गया।कार्यक्रम का सफल मंच संचालन सीनियर विंग कोऑर्डिनेटर मनजीत सिंह तथा जूनियर विंग कोऑर्डिनेटर ब्रिज बाला ने किया। विद्यालय के प्राचार्य गजेंद्र कुमार शर्मा ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक ऐतिहासिक जीत का प्रतीक नहीं, बल्कि देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों के अद्वितीय साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति का स्मरण कराने का दिन है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में अनुशासन, राष्ट्रीय चेतना और देश के प्रति समर्पण की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर गणित अध्यापिका अंग्रेज़ ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया, जबकि सामाजिक अध्यापक विक्रम शर्मा एवं अध्यापिका रीना ने प्रेरक भाषणों के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति तथा वीर सैनिकों के सम्मान का संदेश दिया।

सांसद वरुण चौधरी की सिफारिश पर रामपुर सियुड़ी में फुट ओवर ब्रिज मंजूर

एक करोड़ 20 लाख की लागत से बनेगा फुट ओवरब्रिज - विजय बंसल एडवोकेट

पिंजौर, 26 जुलाई (अजीत सिंह,अख्तर फारूकी): शिवालिक विकास मंच प्रदेश अध्यक्ष एवं हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव विजय बंसल एडवोकेट ने गांव सूरजपुर और रामपुर सियुड़ी वासियों के लिए एक अच्छी खबर का ऐलान करते हुए बताया कि जीरकपुर परवाणु नेशनल हाईवे नंबर 5 पर स्थित उपरोक्त गांव की समस्या के समाधान के लिए अंबाला के सांसद वरुण चौधरी की मांग पर केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने फुट ओवर ब्रिज बनाने को हरी झंडी देते हुए एफ ओ बी का निर्माण कार्य एक कंपनी को अलॉट भी कर दिया है। विजय बंसल ने बताया कि इसके लिए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने एक करोड़ 19 लाख 70 हजार 117 रुपए की राशि मंजूर की है। विजय बंसल एडवोकेट ने बताया कि अंबाला से कांग्रेस के सांसद वरुण चौधरी ने अपने पिंजौर- कालका दौरे के दौरान गांव सूरजपुर और रामपुर निवासियों की समस्याएं सुनी थी । तब लोगों ने एनएचएआई द्वारा हाईवे के डिवाइडर पर ऊंची ऊंची लोहे की ग्रिल लगाकर उनका रास्ता बंद करने की समस्या बताते हुए यहां पर फुटओवर ब्रिज बनाने की मांग की थी। क्योंकि सड़क के एक ओर जहां गांव रामपुर सियुड़ी की घनी आबादी है वहीं दूसरी ओर गांव सूरजपुर, रजीपुर की घनी आबादी है दोनों ओर के लोगों को अपने काम के लिए सड़क पार कर दूसरी ओर जाना पड़ता है। इतना ही नहीं गांव सूरजपुर की ओर राजकीय पाठशाला है और बच्चों की आंगनवाड़ी भी है। विशेष कर छात्र-छात्राओं को बेहद व्यस्त राष्ट्रीय मार्ग को जान जोखिम में डालकर पर करना पड़ता था । जिससे हमेशा दुर्घटनाए घटित होती रही है। ग्रामीणों ने सांसद से यहां पर फुट ओवर ब्रिज बनाने की मांग की थी। विजय बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि जीरकपुर- परवाणु नेशनल हाईवे नंबर 5 गांव सूरजपुर और रामपुर सियुड़ी गांव को विभाजित करते हुए गुजरता है। जिस कारण दोनों ओर की आबादी को अपने रोजमर्रा के काम के लिए नेशनल हाईवे को जान जोखिम में डालकर पार करना पड़ रहा था । इस दौरान कई दुर्घटनाएं भी हुई और कई लोग घायल हो चुके हैं और कई लोग अपनी जान भी गंवा चुके हैं। सरकार द्वारा समस्या के समाधान की बजाय लोगों की समस्या उस समय और अधिक बढ़ा दी जब नेशनल हाईवे अथॉरिटी ने सड़क के डिवाइडर पर लोहे की ऊंची-ऊंची ग्रिल लगाकर लोगों का रास्ता ही बंद कर दिया था। लोगों को अपने रोजमर्रा कामों के लिए कई किलोमीटर पैदल चलकर दूसरी ओर पहुंचना पड़ रहा था।विजय बंसल एडवोकेट ने बताया कि इसी प्रकार पिंजौर-कालका- परवाणू बाईपास पर स्थित गांव बीटना में भी बिल्कुल यही समस्या पेश आई थी । उन्होंने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने जनहित याचिका दायर की थी और हाई कोर्ट के आदेश के बाद वर्ष 2013-14 में वहां भी फुटओवर ब्रिज का निर्माण करवाया था। क्योंकि गांव के दूसरी और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय और आंगनबाड़ी एवं खेत आदि में आने जाने के लिए लोगों को हाईवे पर दौड़ते हुए तेज वाहनों के बीच जान जोखिम में डालकर सड़क पार करनी पड़ती थी। विजय बंसल ने बताया कि सांसद वरुण चौधरी ने नितिन गडकरी को लिखे पत्र में कहा था कि मेरे अम्बाला लोकसभा क्षेत्र के हलका कालका, में पंचकुला से शिमला राष्ट्रीय राजमार्ग नं. 5 होकर गुजरता है। जिसका निर्माण कार्य भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा किया गया है। इस राजमार्ग पर वाहनों की आवाजावाही काफी अत्यधिक है। इस राजमार्ग पर गांव सूरजपुर व रामपुर सियुड़ी आते है। इन दोनों गांवो की आबादी काफी तादाद में है। यहां के स्थानीय लोगों को रोजमर्रा के कार्य हेतू उक्त राजमार्ग के एक दुसरी तरफ पार करना पड़ता है। इस राजमार्ग पर प्राधिकरण द्वारा रेलिंग भी लगवाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। जिसकी वजह से यहां के स्थानीय लोगो को सड़क पार करने के लिए तीन से चार कि.मी. घुम कर आना पड़ेगा। इसका सबसे ज्यादा असर विशेषकर पढ़ने के लिए आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं के साथ-साथ बुर्जगों पर पड़ेगा। राजमार्ग के साथ-साथ स्कूल भी है। राजमार्ग के दोनो तरफ गांव होने के कारण यहां पर लोगों द्वारा राजमार्ग को पार करते रहते है। लोग सड़क पार करने के दौरान राजमार्ग पर बड़े वाहनों की चपेट में आकर दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। इसलिए इस जनहित समस्या का विषय संज्ञान लेते हुए मेरे अंबाला लोकसभा क्षेत्र के कालका विधानसभा के गांव सूरजपुर व रामपुर सियुड़ी के राष्ट्रीय राजमार्ग पर शीघ्र अतिशीघ्र फुट ओवरब्रिज का निर्माण कर इस समस्या का स्थाई समाधान किया जाए, जिससे भविष्य में इन दुर्घटनाओं से होने वाले जान-माल के कोई नुकसान से बचा जा सके व स्थानीय लोग राहत की सांस ले सके। उपरोक्त समस्या का समाधान होने पर शिवालिक विकास मंच प्रदेश अध्यक्ष विजय बंसल एडवोकेट एवं ग्रामीणों में खुशी की लहर है। विजय बंसल और गांव रामपुर सियुड़ी, सूरजपुर राजीपुर वासियों ने अंबाला के सांसद वरुण चौधरी का आभार प्रकट किया है।

पंजाब के बरनाला में वाल्मीकि समाज पर हुए लाठीचार्ज के बारे में कालका में की बैठक

कालका, 26 जुलाई (अख्तर फारूकी,अजीत सिंह): लाला गोविंद राम धर्मशाला कालका में वाल्मीकि समाज के विभिन्न संगठनों की एक सभा बुलाई गई। जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों, डॉ बीआर अंबेडकर मिशन कालका, अंबेडकर वाल्मीकि अधिकार मंच, अखंड भारत चंद दल, गुरु वाल्मीकि कल्याण सभा एवं रेलवे वाल्मीकि सभा द्वारा मास्टर किशनचंद (पूर्व पार्षद)की अध्यक्षता में एक सभा बुलाई गई । जिसमें पंजाब के बरनाला में पुलिस द्वारा वाल्मीकि समाज/सफाई कर्मचारीयों पर बेरहमी से बर्बरता पूर्ण लाठी चार्ज किया गया। जबकी सफाई कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर शांति पूर्ण धरना प्रदर्शन कर रहे थे । उन पर पुलिस द्वारा बेरहमी से अचानक लाठी चार्ज किया गया व गंदी-गंदी गालियां दी गई और बहुत सी महिलाओं को भी बुरी तरहं सड़क पर घसीट घसीट कर पीटा गया । बहुत सी महिलाओं के कपड़े और सिर भी फाड़ दिए गए । जिसको लेकर कालका वाल्मीकि समाज द्वारा गहरा आक्रोश प्रकट किया गया। पंजाब सरकार से मांग की गई कि सफाई कर्मचारी जो कच्चे कर्मचारियों को स्थाई करने की मांग कर रहे थे को तुरंत प्रभाव से स्थाई किया जाए। इसके अलावा सभा में मांग की गई कि जैसा कि संबंधित डी.एस.पी को सस्पेंड कर दिया गया है और एस.एच.ओ का तबादला कर दिया गया है। लेकिन वाल्मीकि समाज मांग करता है कि ऐसे अधिकारियों और पुलिस कर्मी जो इस घटनाक्रम में संलिप्त थे को तुरंत प्रभाव से नौकरी से हटाया जाए और उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इस बैठक में अखंड भारत चंड दल के रणवीर सिंह बैदवान, डॉ बी आर अंबेडकर मिशन एवं आवाम के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र चौहान, डॉक्टर बी आर अंबेडकर मिशन के वरिष्ठ महासचिव चमन लाल कल्याण, कोषाध्यक्ष सीतार चंद वाल्मीकि, राम प्रसाद, राजकुमार एवं हजारीलाल ने भाग लिया।

एक शाम चिराग ए-सुखन डॉ. एस. के. शर्मा के नाम साहित्यकारों ने काव्यांजलि अर्पित कर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

करनाल, 26 जुलाई (संदीप रोहिला): मन की उड़ान साहित्यिक संस्था करनाल द्वारा करनाल क्लब के अभिनंदन सभागार में वरिष्ठ शायर एवं संस्था के संरक्षक रहे डॉ. एस. के. शर्मा की स्मृति को समर्पित एक शाम चिराग़-ए-सुखन डॉ. एस. के. शर्मा के नाम साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ साहित्यकारों, कवियों एवं शायरों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से डॉ. शर्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. महावीर प्रसाद शास्त्री ने की। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकारा अंजु शर्मा उपस्थित रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अशोक भाटिया एवं प्रेम पाल सागर ने शिरकत की। विशेष अतिथियों में डॉ. पहूप सिंह, पूर्व जिला बाल कल्याण समिति अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह मान तथा समाजसेवी परमिंदर पाल सिंह शामिल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. महावीर प्रसाद शास्त्री के आशीर्वचनों से हुआ। इस अवसर पर डॉ. महावीर प्रसाद शास्त्री, अंजु शर्मा, डॉ. अशोक भाटिया, प्रेम पाल सागर सहित सभी साहित्यकारों ने अपनी कविताओं, ग़ज़लों और शेरों के माध्यम से डॉ. एस. के. शर्मा के साहित्यिक योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. शर्मा ने अपनी लेखनी, सादगी और मानवीय संवेदनाओं से साहित्य जगत में अमिट पहचान बनाई। उनका व्यक्तित्व नई पीढ़ी के रचनाकारों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ शायर इक़बाल पानीपती, गुरमुख सिंह वड़ैच, संस्था के संस्थापक रामेश्वर देव, संस्था अध्यक्ष पूनम गोयल, नरेश लाभ, राजकुमार मायूस, अंजु चौधरी अनु, राधेश्याम भारतीय, हरबंस पथिक, डॉ. वनीता चोपड़ा, शशी बाला शर्मा, रोजलीन, अशोक मलंग, गुरविंदर कौर गुरी, दीपक वोहरा, मंजूषा दुग्गल, डॉ. हर्ष सेठी, राजपाल रोजड़ा तथा रमेश कुमार सहित अनेक कवियों और शायरों ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुतियों से माहौल को भावविभोर कर दिया। समारोह के दौरान मुख्य अतिथि को शॉल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथियों एवं विशेष अतिथियों का भी शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर डॉ. एस. के. शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था के संस्थापक रामेश्वर देव ने किया। इस अवसर पर डॉ. एस. के. शर्मा की सुपुत्री भावना कौशिक, प्रेरणा शर्मा, पुत्र राजेश कौशिक सहित वीरेंद्र कुमार, गोपाल दास, शीला रानी, रमेश कपूर, परिणीता कपूर, रामप्रकाश शर्मा, ईश्वर सिंह, देव, आरती एवं बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम श्रद्धांजलि, साहित्य और संवेदनाओं का एक यादगार संगम बनकर संपन्न हुआ।

नाबालिक बच्ची के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में एक आरोपी को किया गिरफ्तार

यमुनानगर,26 जुलाई (संजीव कुमार) : पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए थाना छछरौली की पुलिस टीम ने 16 वर्षीय नाबालिक बच्ची के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल किया। आरोपी के खिलाफ पोक्सो सहित अन्य धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर रविवार को कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थाना प्रबंधक वेदपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र के रहने वाले एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज करवाई कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिक लड़की छिछरोली स्कूल में पढ़ती है। उसकी लड़की ने उसको बताया कि समीर नाम का युवक उसको स्कूल आते जाते छेड़छाड़ करता है और उसका रास्ता रोककर उसको गलत शब्द बोलता है। इस शिकायत पर पोक्सो सहित अन्य धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए एएसआई मंजीत कौर के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के जिला शामली के गांव दबेहडी निवासी समीर अंसारी पुत्र इकरार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

सम्पादकीय

भ्रष्टाचार के लिए मृत्यु दंड, एक नई बहस का जन्म

इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन ने उत्तर प्रदेश में बुलडोजर कार्रवाई से जुड़े मामले में फैसला सुनाते हुए देश में व्याप्त भ्रष्टाचार पर एक अत्यंत तीखी टिप्पणी की उन्होंने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी से जुड़ा हालिया विवाद ईमानदारी के पतन की पराकाष्ठा को दर्शाता है उन्होंने आगे कहा कि यह घटना सब्र के घड़े के टूटने जैसा है। जो समाज राम मंदिर जैसी पवित्र जगह में चोरी से विचलित ना हो उसे भला कोई क्या शर्म दिला सकता है। भ्रष्टाचार पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार इस कदर सामान्य हो चुका है कि जब तक कोई पकड़ न जाए तब तक लोग उसे गलत नहीं मानते। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रैंकिंग में देश की स्थिति भी समाज को लज्जित नहीं करती यदि सरकार भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए प्रति गंभीर है तो भ्रष्टाचार के दोषियों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान करने पर विचार करना चाहिए। देश में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन की इस टिप्पणी में एक नई बहस को जन्म दिया है इसमें कोई संदेह नहीं है कि वर्तमान में भ्रष्टाचार पूरे शासन, प्रशासन और समाज में व्याप्त हो चुका है ऐसा कोई क्षेत्र नहीं बचा जहां भ्रष्टाचार ने प्रवेश न किया हो किसी भी सरकारी विभाग में तब तक काम नहीं होता जब तक संबंधित अधिकारियों की जेबें गर्म नहीं की जाती और यदि कोई व्यक्ति ऐसा नहीं करता है तो उसकी चप्पलें अपने काम के लिए चक्कर लगा लगा कर घिस जाती है इन परिस्थितियों में वह मजबूर होकर भ्रष्टाचार को अपनाता है और देखते ही देखते उसका काम मिनिटों में हो जाता है। अक्सर हम समाचार पत्रों में ये पढ़ते हैं कि अमुक अधिकारी के यहां करोड़ों की संपत्ति मिली या किसी नेता की काली कमाई का पता चला यहां तक कि महिला अधिकारी भी इस भ्रष्टाचार में आतंक डूब गई हैं जबकि ये माना जाता था कि महिलाएं भ्रष्टाचार से दूर रहती है लेकिन जब वे सिस्टम में आती है तो फिर उन्हें भी सिस्टम का हिस्सा बनना ही पड़ता है। छोटे से छोटे नेता से लेकर बड़े से बड़े नेता तक भ्रष्टाचार की गंगोत्री में डुबकी लगाते नजर आते हैं अक्सर ये देखा जाता है कि जो लोग रिश्वत लेते हुए पकड़े जाते हैं वे बाद में रिश्वत देखकर छूट भी जाते हैं भ्रष्टाचार ने हमारे समाज को इतना भ्रष्ट कर दिया है कि अब लोगों ने भ्रष्टाचार को शिष्टाचार के रूप में अपना लिया है। किसी जमाने में यदि कोई व्यक्ति रिश्वत लेते हुए पकड़ा जाता था तो उसका सामाजिक बहिष्कार होता था लेकिन आज की तारीख में आए दिन इस तरह की खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती है जब भ्रष्टाचार के आरोप में लोगों को रंगे हाथ पकड़ा जाता है लेकिन उनके प्रति समाज में किसी प्रकार की कोई असम्मान की भावना नहीं उपजती क्योंकि समाज में रह रहे लोगों को भी यह एक साधारण सी बात लगने लगी है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए सरकारी नारों में इस बात का उल्लेख होता है सरकार के मुखिया और बड़े-बड़े नेता ये कहते हैं कि भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति है लेकिन उनकी नाक के नीचे ही जबरदस्त भ्रष्टाचार चलता रहता है। हाल ही में एक अधिकारी को जब रिश्वत लेते पकड़ा गया तो उसने खुले आम एक वीडियो बनाकर कहा कि मैं अकेला दोषी कहां हूं ये पैसा तो ऊपर तक जाता है उसका ये बयान सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हुआ लेकिन लोगों ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की क्योंकि उन्होंने इसे नियति ही मान लिया है। न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन ने भ्रष्टाचार के मामले में मृत्यु दंड के प्रावधान करने पर विचार करने की बात कही है वर्तमान में भारत में मृत्युदंड केवल दुर्लभ से दुर्लभतम मामलों में ही दिया जाता है। यह सजा केवल उन जघन्य अपराधियों को मिलती है, जिन्होंने अत्यंत क्रूरता से हत्या, बच्चियों के साथ बलात्कार और हत्या, या राष्ट्र के विरुद्ध युद्ध जैसे हालात पैदा किए हों मृत्युदंड को भी लेकर तमाम नियम कायदे है मृत्युदंड की सजा जब सत्र न्यायालय द्वारा सुनाई जाती है, इसे लागू करने से पहले संबंधित उच्च न्यायालय की मंजूरी अनिवार्य होती है। दोषी व्यक्ति के पास सजा को चुनौती देने और सुप्रीम कोर्ट तक अपील करने का पूरा अधिकार भी होता है।सजा की पुष्टि हो जाने के बाद, अपराधी के पास राष्ट्रपति या राज्यपाल के समक्ष दया याचिका दायर करने का अंतिम विकल्प होता है।हाल के वर्षों में निचली अदालतों द्वारा मौत की सजाएं सुनाई गई हैं, लेकिन उच्च स्तर पर इनकी लंबी कानूनी समीक्षा और अपील प्रक्रिया चलती रहती है।वर्तमान भारत में मृत्यु दंड की प्रासंगिकता के अध्ययन में पहला विचार यह मानता है कि जिसने अपराध किया है उसे पीड़ा देना न्यायप्रिय है और यह पीड़ा अन्य व्यक्तियों को भी अपराध करने से रोकती है, यह सबसे कठोर आपराधिक दंड माना जाता है, जिसे सामान्यत: मृत्युदंड कहा जाता है, जिसमें अदालतें गंभीरतम अपराधों के दोषी व्यक्ति को कानूनी रूप से फाँसी की सजा सुनाती है भारत में मृत्युदंड का तात्पर्य किसी अपराध के लिए किसी व्यक्ति को फांसी देने की प्रथा से है और इसे सबसे क्रूर दंड माना जाता है, जब मृत्युदंड को सरकार एवं न्यायपालिका द्वारा सबसे क्रूर दंड माना जाता है तो क्या भ्रष्टाचार जैसे कृत्य के लिए इस सजा को देना उपयुक्त होगा ये भी एक सवाल है इसके अलावा ये कैसे निर्धारित होगा कि कितने और कैसे भ्रष्टाचार में ये सज़ा दी जा सकेगी? या हमारा समाज जो भ्रष्टाचार का इतना आदी हो चुका है ऐसी सजा के लिए कभी हामी भरेगा ? बहरहाल न्यायमूर्ति श्रीअतुल श्रीधरन की ये टिप्पणी समाज शासन प्रशासन की आँखे खोलने के लिए पर्याप्त है लेकिन क्या इसे अमल में लाया जा सकता है इसका उत्तर भविष्य के गर्भ में छिपा हुआ है।

विकसित भारत की नई दिशा रेल अवसंरचना एवं रसायन क्षेत्र में निवेश

विनोद कुमार सिंह तकियावाला

केंद्रीय मंत्रिमंडल के दो महत्वपूर्ण निर्णयों से औद्योगिक विकास,रोजगार, निवेश और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा नया आधार

किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल उसकी आर्थिक वृद्धि दर से नहीं आँकी जाती,बल्कि इस बात से तय होती है कि वह अपने भविष्य के लिए कितनी दूरदृष्टि के साथ आधारभूत संरचना का निर्माण कर रहा है।आधुनिक रेल नेटवर्क, सुदृढ़ औद्योगिक व्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान,उन्नत विनिर्माण क्षमता और निवेश के अनुकूल वातावरण किसी भी विकसित राष्ट्र की पहचान होते हैं।भारत आज इसी दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार ने जिन क्षेत्रों को सर्वाधिक प्राथमिकता दी है,उनमें रेल, सड़क,ऊर्जा, डिजिटल अवसंरचना और विनिर्माण प्रमुख हैं।इन क्षेत्रों में हो रहा निवेश केवल वर्तमान आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर रहा, बल्कि विकसित भारत- 2047 की आधारशिला भी रख रहा है।इसी सोच के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।पहला निर्णय कर्नाटक के बल्लारी-गुंटकल रेलखंड पर तीसरी और चौथी रेल लाइन के निर्माण का है,जबकि दूसरा निर्णय देश के रसायन उद्योग को नई दिशा देने वाली भव्य रसायन योजना को स्वीकृति प्रदान करने का है। इन दोनों परियोजनाओं पर कुल 4,294 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।इनमें 1,264 करोड़ रुपये रेल परियोजना तथा 3,030 करोड़ रुपये रसायन क्षेत्र के विकास के लिए निर्धारित किए गए हैं।दोनों निर्णय अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े अवश्य हैं,किंतु उनका उद्देश्य एक ही है—भारत की उत्पादन क्षमता बढ़ाना, उद्योगों को गति देना,रोजगार के अवसरों का विस्तार करना और देश को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अधिक सक्षम बनाना।आज भारतीय रेल विश्व के सबसे बड़े रेल नेटवर्कों में से एक है। प्रतिदिन करोड़ों यात्री और विशाल मात्रा में माल भारतीय रेल के माध्यम से अपने गंतव्य तक पहुँचता है।देश की अर्थव्यवस्था में रेलवे की भूमिका केवल परिवहन तक सीमित नहीं है। कृषि,खनन,इस्पात,ऊर्जा, विनिर्माण और निर्यात जैसे लगभग सभी प्रमुख क्षेत्र रेलवे पर निर्भर हैं।इसलिए जहाँ भी रेल नेटवर्क पर क्षमता से अधिक दबाव दिखाई देता है,वहाँ उसका विस्तार राष्ट्रीय आवश्यकता बन जाता है।बल्लारी-गुंटकल रेलखंड दक्षिण भारत के सबसे व्यस्त रेल मार्गों में शामिल

है।कर्नाटक का बल्लारी क्षेत्र लौह अयस्क,इस्पात उद्योग और खनिज संपदा के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। दूसरी ओर गुंटकल भारतीय रेल का एक अत्यंत महत्वपूर्ण जंक्शन है,जहाँ से दक्षिण,पश्चिम और मध्य भारत को जोड़ने वाले अनेक रेल मार्ग गुजरते हैं। यही कारण है कि इस रेलखंड पर मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों का दबाव लगातार बढ़ता गया है।कई बार ट्रेनों को क्रॉसिंग या सिग्नल की प्रतीक्षा में रुकना पड़ता है, जिससे समय और संसाधनों दोनों की हानि होती है।ऐसी स्थिति में तीसरी और चौथी रेल लाइन के निर्माण का निर्णय दूरगामी महत्व रखता है। अतिरिक्त लाइनों के निर्माण से इस मार्ग की वहन क्षमता बढ़ेगी। मालगाड़ियों की आवाजाही तेज होगी,उद्योगों को समय पर कच्चा माल और तैयार उत्पादों के परिवहन की सुविधा मिलेगी तथा यात्री ट्रेनों का संचालन भी अधिक सुचारु और समयबद्ध हो सकेगा।इससे रेलवे की परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी और लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी।रेलवे का विस्तार केवल पटरियाँ बिछाने का कार्य नहीं होता।इसके साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था भी गति पकड़ती है। निर्माण कार्यों में बड़ी संख्या में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न होते हैं।सीमेंट, इस्पात, विद्युत उपकरण, मशीनरी और निर्माण सामग्री से जुड़े अनेक उद्योगों को भी लाभ मिलता है। परियोजना पूरी होने के बाद व्यापारिक गतिविधियाँ बढ़ती हैं,निवेश आकर्षित होता है और क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलती है। यही कारण है कि रेल अवसंरचना में किया गया निवेश कई गुना आर्थिक लाभ उत्पन्न करने वाला माना जाता है।बल्लारी क्षेत्र का महत्व केवल खनिज संपदा तक सीमित नहीं है।यह भारत के इस्पात उद्योग का एक प्रमुख आधार भी है। यहाँ उत्पादित लौह अयस्क और इस्पात देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ निर्यात के लिए भी भेजे जाते हैं।यदि परिवहन व्यवस्था अधिक सक्षम होगी तो उद्योगों की उत्पादन लागत कम होगी,प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी और भारतीय उत्पाद वैश्विक बाजार में अधिक मजबूती के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकेंगे।यही कारण है कि सरकार रेल अवसंरचना को औद्योगिक विकास का सबसे महत्वपूर्ण आधार मानते हुए निरंतर निवेश बढ़ा रही है। यह परियोजना प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान की अवधारणा को भी मजबूती प्रदान करती है।इस योजना का उद्देश्य देश के विभिन्न परिवहन माध्यमों को एकीकृत कर ऐसा आधुनिक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क तैयार करना है, जिससे उद्योगों और व्यापार को तेज,सुरक्षित तथा किफायती परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सके। जब रेल,सड़क,बंदरगाह और औद्योगिक गलियारे एक-दूसरे से बेहतर ढंग से जुड़ेंगे, तब भारत की आर्थिक क्षमता स्वत: कई गुना बढ़ जाएगी।रेल अवसंरचना के विस्तार का एक महत्वपूर्ण पक्ष पर्यावरण संरक्षण भी है।सड़क मार्ग की अपेक्षा रेल परिवहन अधिक ऊर्जा-कुशल और पर्यावरण अनुकूल माना जाता है।माल परिवहन का बड़ा हिस्सा यदि रेल के माध्यम से होगा तो भारी वाहनों की संख्या कम होगी,ईंधन की बचत होगी और कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी। जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौती के बीच यह निर्णय भारत की हरित विकास नीति के अनुरूप भी माना जा सकता है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल का दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय भव्य रसायन योजना को स्वीकृति देना है। यद्यपि इस योजना का विस्तृत स्वरूप आने वाले समय में और स्पष्ट होगा, फिर भी इतना निश्चित है कि 3,030 करोड़ रुपये का यह निवेश भारत के रसायन रूउद्योग को नई ऊर्जा प्रदान करेगा।रसायन उद्योग किसी भी आधुनिक अर्थव्यवस्था का आधार माना जाता है,क्योंकि कृषि से लेकर औषधि,वस्त्र,रक्षा, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऊर्जा तक लगभग प्रत्येक क्षेत्र किसी न किसी रूप में इस उद्योग पर निर्भर है।रसायन उद्योग को किसी भी विकसित अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। कृषि के लिए उर्वरक, स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए औषधियाँ, वस्त्र उद्योग के लिए कृत्रिम रेशे, ऑटोमोबाइल के लिए विशेष रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए उच्च गुणवत्ता वाले केमिकल, रक्षा उत्पादन, निर्माण कार्य, खाद्य प्रसंस्करण तथा ऊर्जा क्षेत्र—शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र हो जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से रसायन उद्योग पर निर्भर न हो।

पेट्रोल में विरोध का विषय बना एथनॉल अब रसोईघर में पहुंचेगा

- कांतिलाल मांडोत

- एलपीजी का विकल्प बनने की दिशा में बड़ा कदम, ऊर्जा सुरक्षा, किसानों की आय और स्वच्छ ईंधन के नए युग की शुरुआत

भारत में एथेनॉल को लेकर पिछले कुछ वर्षों में सबसे अधिक चर्चा पेट्रोल में इसकी मिलावट (ब्लेंडिंग) को लेकर हुई। सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक मंचों तक कई तरह के दावे किए गए कि एथेनॉल वाहनों के इंजन को नुकसान पहुंचाएगा, माइलेज कम करेगा और इससे उपभोक्ताओं को नुकसान होगा। हालांकि समय के साथ वैज्ञानिक परीक्षणों, वाहन निर्माताओं के अनुभव और सरकार की नीतियों ने यह स्पष्ट किया कि निर्धारित मानकों के अनुरूप एथेनॉल मिश्रित ईंधन का उपयोग सुरक्षित है। अब यही एथेनॉल एक और बड़ी भूमिका निभाने की ओर बढ़ रहा है। केंद्र सरकार इसे घरेलू रसोई में एलपीजी के विकल्प के रूप में विकसित करने की तैयारी कर रही है। यदि प्रस्तावित नीति लागू होती है तो आने वाले वर्षों में भारत की रसोई में भी एथेनॉल आधारित चूल्हे दिखाई दे सकते हैं।

पेट्रोलियम मंत्रालय एथेनॉल को खाना पकाने के ईंधन के रूप में अपनाने के लिए एक व्यापक नीतिगत ढांचा तैयार कर रहा है। बताया जा रहा है कि इस नीति को सितंबर तक अंतिम रूप दिया जा सकता है। इसमें एथेनॉल आधारित चूल्हों के परीक्षण, उपभोक्ताओं को सब्सिडी देने, आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने और तेल विपणन कंपनियों के माध्यम से इसकी उपलब्धता सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल किए जा सकते हैं। यदि यह योजना सफल होती है तो भारत ऊर्जा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करेगा। एथेनॉल मूल रूप से कृषि उत्पादों से बनने वाला जैव ईंधन है। इसे गन्ने के रस, शीरे, मक्का और अन्य कृषि आधारित कच्चे माल से तैयार किया जाता है। यही कारण है कि इसे जीवाश्म ईंधनों की तुलना में अधिक पर्यावरण अनुकूल माना जाता है। अब तक इसका सबसे बड़ा उपयोग पेट्रोल में मिश्रण के रूप में किया जा रहा था, लेकिन नई सोच इसे सीधे घरेलू ईंधन के रूप में स्थापित करने की है। सरकार का मानना है कि भारत हर वर्ष एलपीजी और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर भारी विदेशी मुद्रा खर्च करता है। यदि घरेलू स्तर पर तैयार होने वाला एथेनॉल खाना पकाने के ईंधन के रूप में लोकप्रिय होता है तो आयातित एलपीजी पर निर्भरता कम होगी। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी और देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी। आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस योजना का सबसे बड़ा लाभ किसानों को भी मिल सकता है। एथेनॉल उत्पादन बढ़ने से गन्ना, मक्का और अन्य कृषि उत्पादों की मांग बढ़ेगी। इससे किसानों को बेहतर बाजार मिलेगा और कृषि आधारित उद्योगों का विस्तार होगा। पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने एथेनॉल उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए अनेक डिस्टिलरी स्थापित करने को प्रोत्साहन दिया है। अब यदि घरेलू रसोई में भी इसकी मांग बढ़ती है तो किसानों की आय बढ़ाने का एक नया रास्ता खुल सकता है।सूत्रों के अनुसार सरकार के आग्रह पर एथेनॉल आधारित कुकिंग स्टोव का परीक्षण किया जा रहा है। इन चूल्हों को इस प्रकार विकसित किया जा रहा है कि वे सुरक्षित, उपयोग में आसान और ऊर्जा दक्ष हों। परीक्षण सफल होने के बाद सरकार इनके लिए सब्सिडी या एकमुश्त वित्तीय सहायता की घोषणा कर सकती है ताकि आम परिवार भी इन्हें आसानी से अपना सकें। ठीक उसी प्रकार जैसे उज्ज्वला योजना के माध्यम से एलपीजी कनेक्शन का विस्तार किया गया था, भविष्य में एथेनॉल आधारित चूल्हों को भी प्रोत्साहित किया जा सकता है। योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू इसकी आपूर्ति व्यवस्था है। बताया जा रहा है कि पेट्रोल पंपों पर एथेनॉल उपलब्ध कराने के लिए विशेष एथेनॉल एटीएम विकसित किए जा सकते हैं। उपभोक्ता वहां से आवश्यक मात्रा में एथेनॉल खरीद सकेंगे और अपने कुकिंग स्टोव में उसका उपयोग कर सकेंगे। इससे वितरण व्यवस्था मजबूत होगी और अलग से नई आपूर्ति प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता भी कम पड़ेगी।

एथेनॉल को पर्यावरण के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह एक नवीकरणीय ईंधन है और इसके उपयोग से कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम होता है। यदि बड़ी संख्या में परिवार एलपीजी के साथ या उसके स्थान पर एथेनॉल का उपयोग करने लगते हैं तो स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। भारत ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जो अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताएं की हैं, उन्हें पूरा करने में भी यह कदम उपयोगी साबित हो सकता है।दिलचस्प बात यह है कि जिस एथेनॉल का कुछ लोगों ने बिना पूरी जानकारी के विरोध किया था, वही अब देश की ऊर्जा नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनता जा रहा है। कई बार नई तकनीकों और नई नीतियों को लेकर भ्रम फैल जाता है, लेकिन वैज्ञानिक परीक्षण और व्यवहारिक अनुभव ही उनकी वास्तविक उपयोगिता तय करते हैं। पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को लेकर भी शुरुआती आशंकाएं थीं, लेकिन धीरे-धीरे यह व्यवस्था सामान्य होती गई और आज भारत एथेनॉल ब्लेंडिंग के लक्ष्य तेजी से हासिल कर रहा है। अब यही अनुभव रसोई तक पहुंचने की तैयारी में है।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि एलपीजी तुरंत पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में दोनों ईंधन समानांतर रूप से उपयोग में रह सकते हैं। जिन क्षेत्रों में एथेनॉल की उपलब्धता अधिक होगी, वहां यह एक प्रभावी विकल्प बन सकता है। समय के साथ यदि इसकी आपूर्ति, कीमत और तकनीक बेहतर होती है तो इसकी हिस्सेदारी लगातार बढ़ सकती है।

स्मृतियों में सदैव जीवित रहेंगे मिसाइल मैन डा. अब्दुल कलाम

- योगेश कुमार गोयल

(डा. अब्दुल कलाम स्मृति दिवस (27 जुलाई) पर विशेष)

'मिसाइल मैन' के नाम से विख्यात डा. एपीजे अब्दुल कलाम (अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम) भारतीय इतिहास में एकमात्र ऐसे राष्टपति रहे हैं, जो वैज्ञानिक थे। देश के महान् वैज्ञानिक होने के साथ-साथ वह एक अद्भुत इंसान और एक प्रेरणादायक नेता भी थे। सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी जैसे विलक्षण गुणों की मिसाल डा. कलाम ने अपने इन्हीं गुणों की बदौलत समस्त देशवासियों को दिल जीत लिया था क्योंकि मौजूदा राजनीतिक परिवेश में ऐसे गुणों वाले व्यक्ति का मिलना दुर्लभ है। यही कारण है कि करोड़ों लोग आज भी उन्हें अपना प्रेरणास्रोत मानते हुए उनकी कही बातों का अनुसरण करते हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यही थी कि उन्होंने जिस भी व्यक्ति के साथ काम किया, उसी के दिल को जीत लिया। देश की युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए वह कहते थे कि भारत के युवा वर्ग में हिम्मत होनी चाहिए कि वह कुछ अलग सोच सके, हिम्मत हो कि वह कुछ खोज सके, ऐसे नए रास्तों पर चलने की हिम्मत हो, जो असंभव हो, उसे खोज सके और मुसीबतों को जीतकर सफलता हासिल कर सके। वह कहते थे कि आसमान की ओर देखें, हम अकेले नहीं हैं, पूरा ब्रह्माण्ड हमारा मित्र है और जो सपना देखते हुए मेहनत कर रहे हैं, उन्हें बेहतरीन फल देने का प्रयास कर रहा है। सपना सच हो, इसके लिए जरूरी है कि आप सपना देखें।

15 अक्तूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया। अपने जीवनकाल में उन्होंने 'विंग्स ऑफ फायर', 'इग्नाइटेड माइंड', 'इंडिया 2020- ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' इत्यादि 30 से भी ज्यादा पुस्तकें लिखी। 1999 से 2001 के बीच वे भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार रहे तथा 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्टपति रहे। राष्टपति बनने के बाद जब वे राष्टपति भवन पहुंचे थे तो उनके साथ सामान के रूप में केवल दो सूटकेस थे, जिनमें से एक में उनके कपड़े तथा दूसरे में उनकी प्रिय पुस्तकें थी। आज जहां नेतागण छुट्टियों पर घूमने जाने के लिए बेताब रहते हैं और संसद की कार्यवाहियों से भी गैरहाजिर रहते हैं, वहीं डा. कलाम ने राष्टपति रहते अपने पूरे राजनीतिक जीवन में केवल दो छुट्टियां ली थी, एक अपने पिता के देहांत पर और दूसरी अपनी मां की मृत्यु के अवसर पर।

देश के सर्वोच्च पद पर रहते हुए कलाम साहब ने अपने कार्यकाल में सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी की जो मिसाल पेश की, वह आज और कहीं देखने को नहीं मिलती। ऐसा ही एक वाकया स्मरण आता है, जब एक बार उनका पूरा परिवार (कुल 52 सदस्य) उनसे मिलने दिल्ली आया। स्टेशन से सभी को राष्टपति भवन लाया गया, जहां सभी आठ दिनों तक ठहरे। उन पर खर्च हुई एक-एक पाई कलाम साहब ने अपनी जेब से खर्च की। बताया जाता है कि उन्होंने अपने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि उनके इन अतिथियों के लिए राष्टपति भवन की कारें इस्तेमाल नहीं की जाएंगी और उनके खाने-पीने के सारे खर्च का विवरण भी अलग से रखा गया। आठ दिन बाद सभी के दिल्ली से वापस चले जाने पर कलाम साहब ने अपने निजी बैंक खाते से 3.52 लाख रुपये का चेक काटकर राष्टपति कार्यालय को भेज दिया। राष्टपति पद पर रहते हुए उन्होंने कभी किसी का कोई उपहार अपने पास नहीं रखा। दरअसल उनका कहना था कि उनके पिता ने उन्हें यही शिक्षा दी है कि कभी किसी का कोई उपहार स्वीकार मत करो। किसी ने एक बार उन्हें दो पैन उपहारस्वरूप दिए थे लेकिन वे भी उन्होंने राष्टपति पद से विदाई के समय लौटा दिए थे। भारत के बच्चों के भविष्य को लेकर वे चिंतित स्वर में कहते थे कि देश में प्रतिवर्ष दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं, उन सभी बच्चों का क्या भविष्य होगा और जीवन में उनका क्या लक्ष्य होगा? क्या हमें उनके भविष्य के लिए कुछ कदम उठाने चाहिएं या हमें उन्हें उनके नसीब के सहारे छोड़ अभिजात्य वर्ग के फायदे के लिए ही काम करना चाहिए? डा. कलाम का मानना था कि यदि भारत को भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मस्तिष्क वालों का देश बनाना है तो इसमें समाज के तीन लोग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, पिता, माता और गुरु। भारत के भविष्य को लेकर उनके पास एक विजन था, जिस पर 'इंडिया 2020- ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई थी। दरअसल 'टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन, फोरकास्टिंग एंड एसेसमेंट काउंसिल' नामक एक सरकारी संगठन देश की प्रगति से जुड़ा विजन डॉक्यूमेंट तैयार करता है और 1996 में कलाम साहब इसके अध्यक्ष थे। उन्हीं की अध्यक्षता में 1996-97 में 'विजन 2020' डॉक्यूमेंट तैयार किया गया। उस रिपोर्ट में सरकार को कुछ सुझाव देते हुए बताया गया था कि 2020 तक भारत को क्या कुछ हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। रिपोर्ट के आधार पर कलाम साहब ने सरकार को सलाह दी थी कि देश के विकास के लिए तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र में सरकार को क्या करना चाहिए और आम नागरिक को इसमें क्या भूमिका निभानी चाहिए। उनका मानना था कि भारत 2020 तक युवाओं के योगदान की बदौलत एक विकसित देश बन जाएगा।

मानवता की मिसाल : जरूरतमंद परिवार के घर फिर जलेगी उम्मीद की लौ

गुर्जर एकता स्वाभिमान मंच ने बारिश से क्षतिग्रस्त मकान की छत बनवाने का लिया जिम्मा

रायपुररानी, 26 जुलाई (देवेन्द्र सिंह): गाँव रत्तेवाली में लगातार बारिश के कारण एक गरीब परिवार के मकान की छत ढह जाने से परिवार के सामने रहने का गंभीर संकट खड़ा हो गया। मामले की

जानकारी मिलते ही गुर्जर एकता स्वाभिमान मंच रायपुररानी ने तुरंत पहल करते हुए परिवार की सहायता का निर्णय लिया। इस दौरान संस्था के पदाधिकारी प्रभावित परिवार के घर पहुँचे और हालात का जायजा लेने के साथ उनकी समस्याओं को सुना। इसके बाद आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि परिवार के मकान की नई पक्की छत के निर्माण के लिए आवश्यक सीमेंट और सरिया संस्था उपलब्ध कराएगी, ताकि परिवार को जल्द सुरक्षित आश्रय मिल सके। जानकारी देते हुए संस्था के कोषाध्यक्ष मोहनलाल गणेशपुर ने बताया कि मंच सामाजिक सरोकारों के प्रति हमेशा प्रतिबद्ध रहा है और भविष्य में भी जरूरतमंद लोगों की हरसंभव सहायता करता रहेगा। उन्होंने समाज के सक्षम लोगों से भी ऐसे सेवा कार्यों में आगे आकर सहयोग करने की अपील की। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट बलविन्द्र चौधरी मानकटबरा, मोहनलाल गणेशपुर, गुरमेल टोका, संदीप चौधरी मीरपुर, अनिल ढिंडा, सतबीर चौधरी दूधगढ़, जसविंदर चौधरी ठड्यों, परवेश चौधरी, पूर्व सरपंच लज्जा राम, बलराम चौधरी, पवन कुमार, सुरेश पाल सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

कारगिल के वीरों का बलिदान युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत : डॉ. चूहड़ सिंह

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों की स्मृति में पौधारोपण कर एनसीसी कैडेट्स ने लिया संरक्षण का संकल्प

करनाल, 26 जुलाई (संदीप रोहिला): गुरु नानक खालसा कॉलेज, करनाल की एनसीसी इकाई द्वारा 26 जुलाई 2026 को कारगिल विजय दिवस श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कारगिल युद्ध के वीर शहीदों के अदम्य साहस एवं सर्वोच्च बलिदान को नमन करना तथा युवाओं में देशभक्ति, अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा की भावना का विकास करना था। इस अवसर पर कुल 22 एनसीसी कैडेट्स ने सहभागिता की। यह कार्यक्रम कर्नल दीपक शर्मा, कमांडिंग ऑफिसर, 7 हरियाणा एनसीसी बटालियन, करनाल के निर्देशन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रयास एक शुरुआत के अध्यक्ष संजीव शर्मा ने मुख्य अतिथि तथा डॉ. चुहड़ सिंह,

प्राचार्य, गुरु नानक खालसा कॉलेज, करनाल ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने एन सी सी कैडेट को देश सेवा के लिए हमेशा तैयार रहने के लिए कहा ।एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. देवी भूषण शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में सभी अतिथियों ने कैडेट्स को देशभक्ति, अनुशासन, नि:स्वार्थ सेवा तथा राष्ट्र के प्रति समर्पण के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष सरदार कंवरजीत सिंह प्रिंस ने अपने संदेश में कहा कि कारगिल विजय दिवस हमें राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों के साहस, त्याग एवं समर्पण की स्मृति को सदैव जीवित रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को इन महान वीरों के आदर्शों का अनुसरण करते हुए राष्ट्रनिर्माण एवं समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण वृक्षारोपण अभियान रहा। कारगिल युद्ध के प्रत्येक अमर शहीद की पावन स्मृति में एक-एक पौधा रोपित किया गया। यह वृक्षारोपण केवल एक प्रतीकात्मक गतिविधि नहीं था, बल्कि शहीदों की स्मृति को जीवंत एवं चिरस्थायी बनाए रखने का एक संकल्प था। राष्ट्ररक्षकों के सर्वोच्च बलिदान को प्रकृति संरक्षण से जोड़ते हुए यह संदेश दिया गया कि शहीदों की गौरवगाथा आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करती रहे। इस संकल्प को स्थायी रूप देने के लिए प्रत्येक पौधे की देखभाल एवं संरक्षण की जिम्मेदारी एक-एक एनसीसी कैडेट को सौंपी गई। इस पहल के माध्यम से कैडेट्स ने पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ राष्ट्रभक्ति, उत्तरदायित्व एवं नि:स्वार्थ सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। भारतीय सेना के वीर सैनिकों के सम्मान में एनसीसी कैडेट्स के लिए देशभक्ति पर आधारित फिल्म एल.ओ.सी. कारगिल का प्रदर्शन किया गया। इस फिल्म ने कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सशस्त्र सेनाओं के अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प एवं सर्वोच्च बलिदान को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे कैडेट्स में राष्ट्रगौरव एवं देशसेवा के प्रति नई ऊर्जा एवं प्रेरणा का संचार हुआ। इस अवसर पर सभी 22 एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन लेफ्टिनेंट डॉ. देवी भूषण शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन तथा राष्ट्रगान के साथ हुआ। यह आयोजन कारगिल के अमर वीरों को समर्पित एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सिद्ध हुआ, जिसने एनसीसी कैडेट्स में देशभक्ति, पर्यावरण संरक्षण एवं समर्पित राष्ट्रसेवा के मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ किया। इस अवसर पर डॉ बीर सिंह, डॉ प्रीति पंवार, डॉ कृष्ण अरोड़ा, डॉ कृष्ण राम, डॉ दीपक, डॉ महाबीर, प्रोफेसर चेष्टा, डॉ जितेंद्र पाल, प्रोफेसर अशोक चड्ढा, प्रोफेसर कीर्ति , प्रोफ़ेसर सिमरत पाल, डॉ अमित कुमार,, डॉ आरती , डॉ गरिमा, प्रोफेसर सीमा,अंजू,सोनिया एवं स्नेहा उपस्थित रहे।

देश की तरक्की में स्वस्थ युवा ही दे सकता है अपना योगदान : कपिल

कुरुक्षेत्र, 26 जुलाई (करणदीप सिह): दिल्ली शिक्षा विभाग के शिक्षक कपिल ने कहा कि देश की तरक्की में युवा पीढ़ी का स्वस्थ होना ज़रूरी है। इस युवा के साथ ही भविष्य जुड़ा हुआ है। इसलिए देश के

भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए युवा पीढ़ी को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की जरूरी है। शिक्षक कपिल भारतीय खेल प्राधिकरण की तरफ रविवार को कारगिल दिवस पर आयोजित साइक्लोथॉन कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस से पहले शिक्षक कपिल व प्रशिक्षक कोमल, सेवानिवृत्त डीएसओ यशवीर सिंह, हॉकी कोच नरेंद्र ठाकुर, समाजसेवी नरेश सैनी ने साइक्लोथॉन को हरी झंडी देकर रवाना किया। इस साइक्लोथॉन के प्रतिभागियों ने कई किलोमीटर साइकिल चलाई ।शिक्षक कपिल ने शहीदों को नमन करते हुए कहा कि शहीदों को याद करने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण सोनीपत के क्षेत्रीय निदेशिका रितु पथिक आदेशानुसार व सहायक निदेशक विजय मनचंदा के मार्गदर्शन में युवाओं को शामिल कर साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। इस साइक्लोथॉन का आयोजन करते हुए एक साल से ज़्यादा समय हो चुका है। इस लक्ष्य है कि लोगों को फिट रहने के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि साई की तरफ़ से निकाली जा रहीं साइक्लोथॉन में हर वर्ग के लोगों को शामिल किया गया है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। इस मौके पर हॉकी कोच नरेंद्र ठाकुर, हॉकी कोच सोहन लाल, समाजसेवी विनोद गर्ग, वीरभान सिंह, नरेश सैनी आदि मौजूद थे।

कारगिल विजय दिवस पर वीरों के बलिदान को किया नमन

हिसार, 26 जुलाई (ब्यूरो): भारत-पाकिस्तान के बीच 1999 में हुए

कारगिल युद्ध की जीत के उपलक्ष्य पर हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। इसी कड़ी में रविवार को लघु सचिवालय के समीप शहीद स्मारक पर जिला प्रशासन एवं भूतपूर्व सैनिकों ने कारगिल युद्ध में शहीद हुए सभी सैनिकों के बलिदान को याद किया गया। जिला प्रशासन की ओर से जिला परिषद की उपकार्यकारी अधिकारी कीर्ति सिरोहीवाल ने पुष्प माला अर्पित कर वीरों के बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के पराक्रम, अदम्य साहस व बलिदान की वजह से हम खुली हवा में सांस ले रहे है। हमारे जवान दिन रात भारत की सीमा की सुरक्षा करते है तभी सभी नागरिक चैन की नींद सो पाते है। यह हमारा कर्तव्य बनता है कि शहीदों के बलिदान को हम याद करें, उन्हें नमन करें। इस अवसर पर सेवानिवृत्त सूबेदार मेजर जगदीश चंद्र, दलीप सिंह, महाबीर सिंह, सुरेंद्र सिहाग, सुशील त्यागी, पवन कुमार, संदीप, सतीश कुमार, सोमबीर, राजेंद्र गोदारा, संदीप चोपड़ा, उमेद सोनी, महिपाल रोहिला, बृजलाल, पवन, मनोज, विनोद, रोहताश, दीपक, एचएफओ धर्मबीर, महिपाल जोगीराम, वेद प्रकाश, मनीष आदि पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

आदमपुर में अंत्योदय मेला आयोजित, अतिरिक्त उपायुक्त ने किया शुभारंभ

हिसार, 26 जुलाई (ब्यूरो): हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश के अंत्योदय परिवारों को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ एकल खिड़की के माध्यम से उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से अंत्योदय योजना-परिवार उत्थान के तहत रविवार को आदमपुर में खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय परिसर में परिवार उत्थान मेला का आयोजन किया गया। अतिरिक्त उपायुक्त शालिनी चेतल ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए सेवा स्टॉलों का निरीक्षण किया। अतिरिक्त उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों के अनुरूप अंत्योदय योजना प्रदेश सरकार की सर्वों च प्राथमिकता वाली योजना है। इस योजना का मूल उद्देश्य प्रदेश के सबसे गरीब परिवारों की पहचान कर उन्हें स्वरोजगार, कौशल विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा एवं वित्तीय सहायता से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि ऐसे मेलों के माध्यम से पात्र परिवारों को भटकना

नहीं पड़ता तथा एक ही स्थान पर सभी विभागों से सहायता प्राप्त हो जाती है।अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि आदमपुर क्षेत्र में हजार अंतोदय लाभार्थियों को संबंधित विभागो की विभिन्न योजनाओं के लिए चिन्हित किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले में प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों की गहनता से जांच कर पात्र व्यक्तियों को निर्धारित समयावधि में योजनाओं का लाभ प्रदान करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि कोई भी पात्र लाभार्थी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि परिवार पहचान पत्र के डाटा के आधार पर चिन्हित परिवारों को प्राथमिकता से कवर किया जा रहा है।मेले में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम विभाग, कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, बैंकिंग क्षेत्र एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्टॉल लगाए गए। स्टॉलों पर अधिकारियों द्वारा लोगों को पेंशन, छात्रवृत्ति, आयुष्मान कार्ड, मुद्रा लोन, स्वरोजगार योजना, कौशल प्रशिक्षण सहित 47 प्रकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने मेले में पहुंचकर अपनी पात्रता की जांच करवाई और योजनाओं के लिए आवेदन किए। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे इन मेलों से आमजन को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है और पारदर्शिता के साथ कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित हो रहा है। इस अवसर पर एसडीएम ज्योति मित्तल, तहसीलदार रामनिवास भादु, तहसीलदार अजय चौहान, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी आदमपुर नवीन लोहान, अग्रणी जिला प्रबंधक बैंक कमल चंद गोयल, मुनीष एलावादी, जिला संयोजक बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ जेपी पाहवा, मंडल संयोजक श्याम सुंदर शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

गुरु रविदास जी महाराज के 21वें मासिक सत्संग का आयोजन

लाडवा, 26 जुलाई (रामगोपाल): इंद्री रोड स्थित श्री गुरु रविदास गुरु घर में गुरु रविदास जी महाराज के 21वें मासिक सत्संग का आयोजन

गुरु रविदास सभा द्वारा किया गया। जिसमें महिला सत्संग मंडली व छोटे बच्चों ने गुरु रविदास जी की महिमा का गुणगान किया। महिला सत्संग मंडली ने सत्संग का शुभारंभ गुरु रविदास जी महाराज की आरती से किया गया और गुरु रविदास जी व मीराबाई के भजनों से संगत को निहाल किया?। सत्संग के समापन पर प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर गुरु रविदास सभा के प्रधान सुबेचंद कटारिया, सचिव प्रवीण बोथ, रविंद्र कुमार कटारिया, कोषाध्यक्ष उमेश कटारिया, इमना कुमार कटारिया, अमन कुमार, अंश भट्टी, यश यश, अनिकेत, सुनीता रानी, उषा रानी, रिंकी रानी, गीता रानी, फूल कली, रानी देवी सहित भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

धर्म सिंह कॉलोनी सैन धर्मशाला नरवाना पहुंची विधायक आदित्य सुरजेवाला की नि:शुल्क मोबाइल अस्पताल वैन

नरवाना, 26 जुलाई (नरेन्द्र कुमार): कांग्रेस विधायक आदित्य सुरजेवाला की पहल पर संचालित आदित्य सुरजेवाला नि:शुल्क मोबाइल अस्पताल वैन रविवार को नरवाना शहर की धर्म सिंह कॉलोनी वार्ड नंबर-3 पहुंची जहां आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या

में लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने मरीजों की जांच कर आवश्यक दवाइयां भी पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध कराईं। सेवा व समर्पण की भावना के साथ शुरू किया गया यह अभियान लगातार नरवाना क्षेत्र में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है। मोबाइल अस्पताल वैन अब तक दो दर्जन से अधिक गांवों और शहर के विभिन्न वार्डों में पहुंचकर हजारों जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा चुकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहल विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए राहत का माध्यम बन रही है।धर्म सिंह कॉलोनी स्थित सेन धर्मशाला में आयोजित शिविर के दौरान जयराम हॉस्पिटल, नरवाना की विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. गरिमा एवं उनकी टीम ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में ब्लड प्रेशर, शुगर सहित सामान्य बीमारियों की जांच की गई तथा जरूरतमंद मरीजों को मौके पर ही नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गईं।सुबह से ही शिविर में लोगों की भीड़ देखने को मिली। सैकड़ों मरीजों ने जांच कराकर स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्राप्त किया। मरीजों ने घर के नजदीक बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विधायक आदित्य सुरजेवाला का आभार व्यक्त किया।रेहड़ी यूनियन के पूर्व प्रधान रोशन लाल, कामरेड सतपाल सरोहा, अनुसूचित जाति विभाग के जिला उपाध्यक्ष बलकार सिंह, किताब सिंह, बलवान राठी, सरोज देवी और बिमला देवी सहित अन्य स्थानीय लोगों ने कहा कि इस प्रकार की नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा आमजन के लिए अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने कहा कि घर के पास ही चिकित्सकीय जांच और दवाइयों की सुविधा मिलने से लोगों को काफी राहत मिली है तथा विधायक आदित्य सुरजेवाला की यह पहल जनसेवा का सराहनीय उदाहरण है।रणदीप सुरजेवाला के राजनीतिक सचिव धौला नैन ने बताया कि मोबाइल अस्पताल वैन का उद्देश्य नरवाना हलके के प्रत्येक गांव और प्रत्येक वार्ड तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है, ताकि किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को उपचार के लिए दूर न जाना पड़े। उन्होंने कहा कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।इस अवसर पर कांग्रेस नेता सतबीर दबलैन, कैलाश सिंगला, देवेंद्र सिंह मंटा, बिंदर चहल, आशुतोष शर्मा, डॉ. शमशेर अमरगढ़, गंगा सिंह लोहचब, किताब सिंह हथो, मोनू शर्मा, छन्नाराम सैनी, कृष्ण चोपड़ा, सुरेंद्र गोयत, रमेश, केवल तथा आभेराम भुक्कल सहित अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

भारत विकास परिषद लाडवा शाखा कार्यशाला का आयोजन, संगठन सशक्तिकरण पर दिया गया जोर

लाडवा,26 जुलाई (रामगोपाल): भारत विकास परिषद, लाडवा शाखा द्वारा एक निजी होटल में शाखा कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया।प्रकल्प प्रमुख नवीन गर्ग ने कार्यशाला के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य परिषद के सेवा, संस्कार एवं संगठनात्मक कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाना तथा आगामी परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के द्वारा किया गया। शाखा अध्यक्ष राजीव आर्य द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में प्रांतीय महासचिव अतुल गोयल ने परिषद की कार्यपद्धति, शाखा की सक्रियता

तथा समाज सेवा के विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि परिषद का प्रत्येक सदस्य सेवा, समर्पण एवं संस्कार की भावना से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास करे।इस अवसर पर प्रांतीय संगठन सचिव अरविंद सिंघल ने भारत विकास परिषद का गठन विषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए परिषद की स्थापना के उद्देश्य, इतिहास एवं राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि परिषद का मूल उद्देश्य स्वस्थ, समर्थ, सुसंस्कृत भारत के निर्माण हेतु सेवा, संस्कार, संपर्क, सहयोग और समर्पण के पंचसूत्र पर कार्य करना है। प्रांतीय उपाध्यक्ष मनीष मलिक ने संस्कार, वित्त, संगठन की मजबूती एवं सदस्यता विस्तार पर अपने विचार रखे। प्रांतीय गतिविधि संयोजक सतीश कम्बोज ने सेवा प्रकल्प विषय पर विस्तार से जानकारी देते हुए परिषद द्वारा संचालित विभिन्न सेवा कार्यों की चर्चा की और सभी सदस्यों से सेवा गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। प्रांतीय गतिविधि संयोजक पूनम सैनी ने महिला गतिविधि विषय पर अपने विचार रखते हुए परिषद की सेवा एवं संस्कार आधारित गतिविधियों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने महिलाओं से समाज सेवा, परिवार निर्माण और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यशाला के दौरान शाखा की आगामी सेवा परियोजनाओं, सदस्यता विस्तार एवं विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई। अंत में प्रकल्प प्रमुख नवीन गर्ग ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने सभी के सहयोग को परिषद की सफलता का आधार बताते हुए भविष्य में भी इसी उत्साह के साथ सेवा कार्यों में सहभागी बनने का आग्रह किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। उपस्थित सदस्यों ने कार्यशाला को ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी एवं संगठन की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी बताया।

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के तहत कमजोर वर्ग की बेटियों के विवाह के लिए आर्थिक सहायता

करनाल, 26 जुलाई (रविन्द्र): उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा बेटियों की शादी में आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना संचालित की जा रही है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने और बेटियों के विवाह के लिए प्रोत्साहन देने का एक सराहनीय प्रयास है। उपायुक्त ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के तहत अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति और टपरीवास समुदाय के पात्र परिवारों को 71 हजार रुपये की राशि विवाह के अवसर पर दी जा रही है। इसी प्रकार पिछड़ा वर्ग परिवार को विवाह के अवसर पर कन्यादान के रूप में 51 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। वहीं विधवा, तलाकशुदा, अनाथ या बेसहारा महिलाओं के पुनर्विवाह पर (यदि पहली शादी के समय योजना का लाभ नहीं लिया गया हो) को भी 51 हजार रुपये की राशि दी जाती है। यदि नवविवाहित दंपती दिव्यांग हैं तो उन्हें भी 51 हजार रुपये की सहायता राशि मिलेगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की कन्याओं के विवाह में सहायता प्रदान करना है। इस योजना के तहत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले पिछड़े वर्ग के परिवारों को उनकी बेटियों के विवाह के लिए, किसी भी वर्ग की महिला खिलाडि़यों को उनकी स्वयं की शादी के लिए और ऐसे दिव्यांग जोड़ों को जिनमें पति या पत्नी में से कोई एक भी दिव्यांग हो, उसे भी अब 51 हजार रुपये की राशि कन्यादान स्वरूप दी जाएगी। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ उठाने के लिए विवाह के 6 महीने के भीतर विवाह पंजीकरण कराना जरूरी है।

वेदा इंटरनेशनल स्कूल नरवाना का खेलों में दबदबा, ब्लॉक स्तरीय बैडमिंटन व चेस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान

नरवाना, 26 जुलाई (नरेन्द्र कुमार): पटियाला रोड स्थित वेदा इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय

की छात्राओं ने अंडर-14 चेस प्रतियोगिता तथा छात्रों ने बैडमिंटन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का शानदार परिचय दिया।अंडर-14 चेस (बालिका वर्ग) में अंशी, श्रेण्या, दीपांशी और पूर्वी नैन ने बेहतरीन रणनीति, धैर्य और खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए ब्लॉक चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। वहीं बैडमिंटन (बालक वर्ग) में कार्तिक, दिवम और देवांश ने शानदार तालमेल, अनुशासन और दमदार प्रदर्शन के दम पर प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय की झोली में एक और उपलब्धि जोड़ दी। इस उल्लेखनीय सफलता पर विद्यालय परिसर में विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में विशेष समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय की चेयरपर्सन मंजु मित्तल एवं प्राचार्या सिल्की चोपड़ा ने खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।प्राचार्या सिल्की चोपड़ा ने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, खेल प्रशिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि विद्यालय के खिलाड़ी आगामी जिला एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नई उपलब्धियां हासिल करेंगे।विद्यालय की प्रबंध समिति ने सभी विजेता खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों, प्रशिक्षकों तथा समस्त स्टाफ को बधाई देते हुए कहा कि वेदा इंटरनेशनल स्कूल में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए भविष्य में और अधिक आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि विद्यार्थी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विद्यालय और क्षेत्र का नाम गौरवान्वित कर सकें।

हॉकी टीम के लिए खिलाडियों का हुआ चयन

शाहाबाद मारकंडा, 26 जुलाई (रूबी): ब्लॉक में अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 आयु वर्ग लडकों एवं लड़कियों की ब्लॉक स्तरीय

स्कूल गेम्स हॉकी प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शाहाबाद क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने बढ़-चढक़र भाग लिया और शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाडियों ने खेल भावना, अनुशासन, टीमवर्क और संघर्षशीलता का परिचय देते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रत्येक मुकाबला रोमांचक रहा। हॉकी कोच गुरबाज सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा खिलाडियों की प्रतिभा को निखारना तथा उन्हें उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना रहा। गुरबाज ने बताया कि बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों का चयन अब जिला कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाली इंटर डिस्ट्रिक्ट प्रतियोगिता के लिए किया गया है, जहां वह शाहाबाद ब्लॉक का प्रतिनिधित्व करेंगे। गुरबाज ने कहा कि चयनित खिलाडियों को प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और आगामी मुकाबलों के लिए कामना की गई। इस अवसर पर हॉकी कोच गुरबाज सिंह, हॉकी कोच सन्नी, हॉकी कोच सुनील कुमार तथा हॉकी कोच स्मृति देवी ने खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया। उन्होंने खिलाडियों को निरंतर अभ्यास, अनुशासन और समर्पण के साथ आगे बढने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता का सफल संचालन कुरुक्षेत्र से आए अधिकारियों सोहन लाल, दीपक, निशा देवी तथा अंपायर संकित ने किया।

छात्रों की आवाज ने सत्ता को झुकाया : सुनील कुंडू

राजौंद, 26 जुलाई (नरेश कुमार): कांग्रेस पार्टी के जिला उपाध्यक्ष सुनील कुंडू ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सुरजेवाला और उनके कार्यकर्ताओं व छात्रों की गूंज अभियान और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में चलाए गए संघर्ष ने केंद्र सरकार को झुकने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने शिक्षा मंत्री के के इस्तीफे को छात्रों के आंदोलन और राहुल

गांधी व सुरजेवाला के नेतृत्व की पहली बड़ी जीत बताया। सुनील कुंडू ने कहा कि राहुल गांधी ने 17 जुलाई को कोटा से छात्रों की गूंज अभियान की शुरुआत कर देशभर के छात्रों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इसके बाद यह अभियान देहरादून सहित विभिन्न राज्यों तक पहुंचा, जहां पेपर लीक शिक्षा व्यवस्था की बदहाली बेरोजगारी और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर तक उठाया गया। उन्होंने कहा कि अब सरकार ने छात्रों की मांगों पर ध्यान नहीं दिया तब राहुल गांधी सांसद साथियों के साथ छात्रों के समर्थन में प्रधानमंत्री आवास की ओर मार्च पर निकले। इस दौरान उन्हें और कई सांसदों को हिरासत में दिया गया। लेकिन उन्होंने छात्रों के अधिकारों की लड़ाई जारी रखी। और कुंडू ने भाजपा की जनविरोधी नीतियों के बारे में भी लोगों को जागरूक किया।

कारगिल शहीद गुलाब सिंह को श्रद्धांजलि दी:प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए

असंध, 26 जुलाई (दलसिंह मान): बल्ला में रविवार को कारगिल शहीद गुलाब सिंह के स्मारक पर कारगिल दिवस मनाया गया। शहीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता राजेश पाढा रहे, जबकि अध्यक्षता बल्ला मंडल महामंत्री रोहित पांचाल ने की। मुख्य अतिथि राजेश पाढा ने अपने संबोधन में कहा कि यह दिन देश के लिए गौरव का है। देश में कारगिल विजय दिवस के पावन अवसर पर उन वीर सपूतों को याद किया जाता है जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने हरियाणा की वीर धारा की परंपरा का उल्लेख किया, जहां देश की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि वीर शहीदों के कारण ही देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। उन्होंने शहीदों को सम्माननीय बताते हुए कहा कि

वे देवताओं के समान है और उनकी हर समय पूजा की जानी चाहिए। कारगिल विजय दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम का माहौल पूरी तरह से देशभक्ति के रंग में रंगा हुआ था। आर्य समाज बल्ला एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने शहीद सिपाही गुलाब सिंह मान की प्रतिमा पर पुष्प चक्कर और रंग-बिरंगे पुष्प अर्पित किए तथा उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर स्थित सभी लोगों ने 2 मिनट का मौन रखकर शहीद की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके सर्वोच्च बलिदान को गहराई से याद किया। कार्यक्रम में मौजूद वक्ताओं ने कारगिल युद्ध के उन कठिन दिनों को याद करते हुए कहा कि किस प्रकार भारतीय सेवा के वीर जवानों ने दुर्गम पहाड़ियों और विपरीत परिस्थितियों में अदम्य साहस, साधारण वीरता और पराक्रम का परिचय देते हुए देश की सीमाओं की रक्षा की थी। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि शहीद गुलाब सिंह मान का यह महान बलिदान केवल उनके परिवार या गांव के लिए ही नहीं, बल्कि आने वाली हर एक पीढ़ी के लिए एक अमर प्रेरणा स्रोत है। उनके इस अतुलनीय त्याग और राष्ट्रभक्त को देश कभी नहीं भूला सकता। कार्यक्रम का समापन बेहद उत्साहवर्धक और देशभक्ति से ओत-प्रोत माहौल में हुआ। अंत में उपस्थित सभी लोगों ने एक स्वर में भारत माता की जय, जब तक सूरज चांद रहेगा गुलाब सिंह तेरा नाम रहेगा और वंदे मातरम् का गगन भेदी जय घोष किया। इस अवसर पर भाजपा नेता राजेश पाढा, एडवोकेट चन्द्र प्रकाश वर्मा, मास्टर अशोक मान, रोहित पांचाल, सुदेश पहलवान, सोनू पंच, अनिल पटवारी, नरेंद्र, प्रदीप मुख्य रूप से मौजूद रहे

कारगिल के वीर शहीदों को डीबीके इंटरनेशनल स्कूल नरवाना ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

देशभक्ति गीत, भाषण, कविताओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से गूंजा विद्यालय परिसर

नरवाना, 26 जुलाई (नरेन्द्र कुमार): स्थानीय डीबीके इंटरनेशनल स्कूल में कारगिल विजय दिवस पूरे सम्मान, गर्व और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित विशेष प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अदम्य साहस, पराक्रम और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया।कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान एवं वीर शहीदों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखकर की गई। इसके बाद विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत भाषण, कविताएं, समूहगान और आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर भारतीय सेना के शौर्य और राष्ट्र के प्रति समर्पण को जीवंत कर दिया। विद्यार्थियों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने पूरे विद्यालय परिसर को देशभक्ति के रंग में रंग दिया और उपस्थित सभी लोगों को भावुक कर दिया। कार्यक्रम की विशेष आकर्षण विद्यालय के प्री-स्कूल के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों की

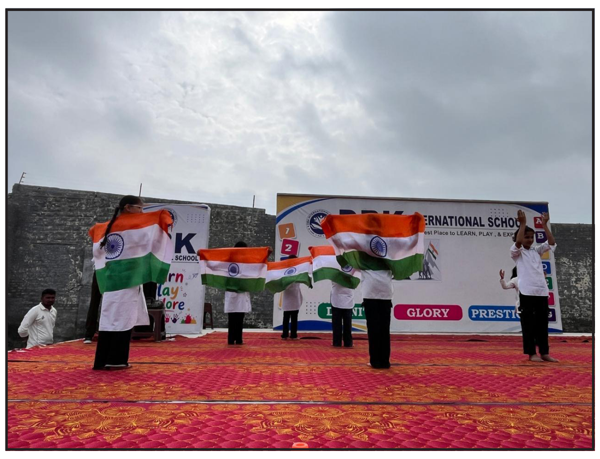

प्रस्तुतियां रहीं। तिरंगे की वेशभूषा और देशभक्ति गतिविधियों में उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी ने सभी का मन मोह लिया। उनकी मासूम अभिव्यक्तियों ने यह संदेश दिया कि राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति के संस्कार बचपन से ही विकसित किए जाने चाहिए।इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रिया कुकरेजा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक ऐतिहासिक जीत का प्रतीक नहीं बल्कि उन वीर सैनिकों के अद्वितीय साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति का स्मरण कराने का दिन है जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, राष्ट्रप्रेम और देशसेवा की भावना को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

कश्यप राजपूत सभा के जिला अध्यक्ष रिछपाल कश्यप ने लाडवा कार्यालय का किया दौरा, सदस्यों से की मुलाकात

लाडवा, 26 जुलाई (रामगोपाल): हरियाणा कश्यप राजपूत सभा 184 के जिला अध्यक्ष रिछपाल कश्यप ने रविवार को लाडवा स्थित कश्यप सभा के कार्यालय का दौरा किया। यह जानकारी लाडवा हल्का प्रधान राजू देव राज कश्यप ने दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान उन्होंने कार्यालय पहुँच कर सभा के स्थानीय सदस्यों और पदाधिकारियों से मुलाकात की तथा समाज के उत्थान एवं संगठन की मजबूती को लेकर विस्तार से चर्चा की।**संगठन की मजबूती पर जोर :** मुलाकात के दौरान जिला

अध्यक्ष रिछपाल कश्यप ने समाज को एकजुट करने और युवाओं को आगे लाने पर विशेष बल दिया। **कार्यालय गतिविधियों की समीक्षा :**उन्होंने लाडवा कश्यप सभा कार्यालय में चल रहे कार्यों का जायजा लिया और सदस्यों से आगामी सामाजिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया। **सदस्यों ने किया स्वागत :**लाडवा हल्का प्रधान राजू देव राज कश्यप ने कश्यप सभा के सदस्यों के साथ जिला अध्यक्ष रिछपाल कश्यप का कार्यालय पहुँचने पर गर्म जोशी के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर स्थानीय सभा के कई गणमान्य सदस्य श्याम लाल कश्यप, राजेंद्र कश्यप, देव राज राजू, विकास कश्यप, कर्मबीर, शोनू, श्रवण कश्यप, अनूज कश्यप, जयभगवान, सचिन, पाली राम, दुलीचन्द, आंसू, आशीष, विशाल, नन्द लाल, राजेश, गुरुमेज सहित समाज के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिन्होंने समाजहित में पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

एपेक्स वुमेन क्लब ऐलनाबाद ने सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का किया शुभारंभ

महिला सशक्तीकरण एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में सराहनीय पहल

ऐलनाबाद,26 जुलाई (ब्यूरो): महिलाओं के कौशल विकास, आत्मनिर्भरता एवं महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एपेक्स वुमेन क्लब ऐलनाबाद द्वारा ममता बुटीक में सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस केंद्र में महिलाओं एवं युवतियों को सिलाई का प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाया जाएगा। क्लब की डायरेक्टर सरोज सोनी ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर मुख्य अतिथि भाजपा नेत्री श्रीमती गुलाब सीवर का अभिनंदन किया तथा अध्यक्ष प्रियंका संधू ने उनका माल्यार्पण एवं तिलक लगाकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि श्रीमती गुलाब सीवर ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना आज समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे सामाजिक प्रयास समाज में नई प्रेरणा का संचार करते हैं। उन्होंने बेटियों को आत्मनिर्भर बनकर देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से सशक्त महिलाएं अपने परिवार और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

सचिव सीमा धींगड़ा ने बताया कि जो भी महिलाएं सिलाई सीखने की इच्छुक हैं, वे ममता बुटीक, मुल्तानी धर्मशाला के पास, ऐलनाबाद में आकर अपना पंजीकरण करवा सकती हैं। क्लब की कोषाध्यक्ष ममता सपरा ने बताया कि यह एक माह का नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम है। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को सिलाई मशीन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वे व्यावहारिक रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट) देकर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में लकी ड्रॉ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्लब की डायरेक्टर सरोज सोनी, अध्यक्ष प्रियंका संधू, सचिव सीमा धींगड़ा, कोषाध्यक्ष ममता सपरा सहित नीरू धानुका, सत्या कंदोई, सुशीला शर्मा, निशा कानसरिया, प्रेमलता सुथार, शशि सरदाना, मीनू अनेजा, किरण चावला, इंदु थिंद, साक्षी जिंदल, सरिता तनेजा, राजेंद्र कौर एवं क्लब की अन्य महिला सदस्य उपस्थित रही।

श्री गुरु हरगोबिंद साहिब हाई स्कूल के प्रधान पद पर जत्थेदार पिआरा सिंह जी को चुना गया

तीसरी बार प्रधान चुने गए जत्थेदार प्यारा सिंह लायलपुरी, प्रबंधक समिति व स्टाफ ने शॉल भेंट कर किया सम्मानित

अंबाला, 26 जुलाई (कवलजीत सिंह): आज श्री गुरु हरगोबिंद

साहिब हाई स्कूल नजदीक गुरुद्वारा मंजी साहिब, अंबाला शहर की कमेटी की एक मीटिंग हुई। जिसमें कई प्रकार के मुद्दों पर चर्चा की गई। यह मीटिंग विशेष रूप से प्रधान के चुनाव के लिए बुलाई गई थी। जिस मीटिंग में सभी मेंबर मौजूद थे। इस मीटिंग में जत्थेदार पियारा सिंह जी लायलपुरी को तीसरी बार प्रधान व कुलवंत सिंह वालिया को उप प्रधान चुना गया। इससे पहले स. हरपाल सिंह पाली इस स्कूल के प्रधान थे। जिसके चलते उन पर कई मेंबरों द्वारा गंभीर आरोप लगाए गए व उन्हें प्रधान की पद से सेवा मुक्त कर दिया गया और प्यारा सिंह लालपुरी को प्रधान चुन लिया गया। जत्थेदार प्यारा सिंह लालपुरी इससे पहले भी दो बार प्रधान रह चुके हैं। इस चुनाव के पश्चात समूह कमेटी मेंबरों व स्कूल के स्टाफ ने प्यार सिंह लायलपुरी को प्रधान बनने पर बधाई दी। इस मौके पर जत्थेदार प्यार सिंह लायलपुरी ने कहा कि वह पहले भी स्कूल की तरक्की के लिए कार्य कर रहे थे। वह आगे भी वह स्कूल की तरक्की के लिए कार्य करेंगे। जिस पश्चात गुरु हरगोबिंद साहिब पब्लिक स्कूल की मीटिंग की गई। जिस में महिंदर सिंह को गुरु हरगोबिंद साहिब पब्लिक स्कूल का उप प्रधान चुना गया।इस मौके पर स्कूल के मैनेजर जत्थेदार रणबीर सिंह फौजी व सेक्रेटरी बलजीत सिंह साहनी ने प्यार सिंह लायलपुरी को प्रधान बनने व कुलवंत सिंह वालिया को गुरु हरगोबिंद साहिब हाई स्कूल का मीत प्रधान व महिंदर सिंह को गुरु हरगोबिंद साहिब पब्लिक स्कूल का उप प्रधान बनने पर शाल देकर सम्मानित किया।

आदेश मेडिकल कॉलेज में भविष्य के डॉक्टरों को दिया गया जीवनरक्षक सीपीआर का प्रशिक्षण

शाहाबाद मारकंडा, 26 जुलाई (रूबी): भारतीय बाल रोग अकादमी (आईएपी) के राष्ट्रीय आईएपी सीपीआर मास अवेयरनेस डे के उपलक्ष्य

में आदेश मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल मोहड़ी के बाल रोग विभाग द्वारा बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) एवं कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) पर व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी शुरुआत आदेश मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के निदेशक डा गुणतास सिंह गिल ने की। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल एक चिकित्सा प्रक्रिया सिखाना नहीं बल्कि ऐसे चिकित्सतक तैयार करना है जो आपातकालीन परिस्थितियों में आत्मविश्वास के साथ प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से सीपीआर के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा भावी चिकित्सकों को आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन बचाने के लिए प्रशिक्षित करना है। प्रिंसिपल डा एन एस लांबा ने कहा कि हृदयाघात के बाद शुरुआती कुछ मिनट मरीज के जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इसलिए प्रत्येक स्वास्थ्यकर्मी का सीपीआर में निपुण होना आवश्यक है। इस प्रशिक्षण में एमबीबीएस के 110 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उद्घाटन सत्र और आईएपी की जागरूकता वीडियो दिखाने के बाद विद्यार्थियों को तीन घंटे का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें चार अलग-अलग स्किल स्टेशनों पर वयस्क, बच्चों एवं शिशुओं को सीपीआर देने की तकनीक तथा गले में बाहरी वस्तु फंसने (एफबीएओ) की स्थिति से निपटने का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों के फीडबैक सत्र और शपथ ग्रहण के साथ हुआ। इस अवसर पर निदेशक डा. गुणतास सिंह गिल, प्रिंसिपल डा. एनएस लांबा, डा. जी.एस. धनजल, डा. बलजीत मैनी, डा. विवेक मित्तल, डा. विक्रांत प्रभाकर तथा डा नीरू शर्मा मौजूद थे।

पद्म पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

करनाल, 26 जुलाई (परमजीत कौर): उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि गणतंत्र दिवस 2027 पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन/सिफारिशों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन पुरस्कारों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर 31 जुलाई तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किए जा सकते हैं। इन पुरस्कारों में पद्म विभूषण, पद्म भूषण व पद्मश्री पुरस्कार शामिल हैं। उन्होंने बताया कि नामांकन करने वाले व्यक्ति अधिकतम 800 शब्द का एक व्याख्यात्मक प्रशस्ति-पत्र जिसमें अनुशंसित व्यक्ति की संबंधित क्षेत्र/विषय में विशिष्ट और अन्य उपलब्धियों/सेवाओं का स्पष्ट उल्लेख किया गया हो, प्रस्तुत करें। उन्होंने बताया कि पद्म पुरस्कार, अर्थात् पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री, देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से हैं। वर्ष 1954 में स्थापित इन पुरस्कारों की घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। यह पुरस्कार कला, साहित्य और शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सार्वजनिक कार्य, नागरिक सेवाओं, व्यापार और उद्योग जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवाओं के लिए उत्कृष्ट-कार्य को मान्यता प्रदान करने के लिए प्रदान किए जाते हैं। जाति, व्यवसाय, पद या लैंगिक भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। डॉक्टर और वैज्ञानिकों को छोडक़र सार्वजनिक उपक्रमों में काम करने वाले सरकारी कर्मचारी पद्म पुरस्कार के लिए पात्र नहीं हैं। इस बारे में और अधिक विवरण वेबसाइट पदमा अवाड.जीओवी.इन पर उपलब्ध है।

बदलते मौसम में टाइफाइड से बचाव रखें

बरसात के मौसम में मच्छर आदि की संख्या बढ़ जाती है, और रोगों का प्रकोप बढ़ जाता है। इन्ही में एक संक्रामक रोग टाइफाइड है, यह बुखार ऐसा है जो एक निश्चित समय के लिए होता है। यह किसी संक्रमित व्यक्ति के मल के माध्यम से दूषित वायु और जल से होता है। टाइफाइड एक संक्रामक बीमारी है जो की लिवर से सम्बंधित है। हर साल तक़रीबन 2 लाख से ज्यादा लोग टाइफाइड की बीमारी के कारण जान गवाते है टाइफाइड की बीमारी मैं लिवर ठीक तरह से काम नही करता जिसकी वजह से बुखार के साथ ही पुरे शरीर में दर्द होने लगता है। अगर सही समय पर ध्यान ने दिया जाये तो टाइफाइड जानलेवा भी हो सकता है। समय के अंदर इसका इलाज ने किया जाये तो बच्चे की जान तक जा सकती है।

बच्चों में टाइफाइड के लक्षण

टाइफाइड के लक्षणों को जानना बहुत जरुरी है क्यूंकि समय रहते टाइफाइड के लक्षणों को पहचान लिए जाये तो समय से टाइफाइड से पीड़ित बच्चे का सही इलाज किया जा सकता है।

टाइफाइड से पीड़ित बच्चे में प्रतिदिन बुखार होता है, जो हर दिन कम होने की बजाय बढ़ता रहता है।

अत्यधिक कमज़ोरी और थकान महसूस होना।

सिर में दर्द होना।

पेट में दर्द और भूख न लगना।

छाती पर गुलाबी निशान होना।

दस्त आना।

लिवर का बढ़ जाना।

पेट में अल्सर की संभावना।

कभी – कभी रोगी बच्चे को चपटे चकत्ते भी पड़ जाते हैं।

सूखी खाँसी आना।

जीभ पर मोटी परत जम जाना।

इन लक्षणों के नजर आने के बाद देर नहीं करनी चाहिए। चिकित्सक को दिखाएं और इलाज करवाना आवश्यक हो जाता है, ताकि बच्चा शीघ्र स्वस्थ हो सके।

बच्चे जब ट्यूशन पढ़ें तो रखें इन बातों का ख्याल

आजकल बेहतर भविष्य के लिए प्रतिस्पर्धा के इस दौर में जब आपका बच्चा बड़े क्लास में पहुँचता है तो उसके लिए ट्यूशन या कोचिंग करना आवश्यक हो जाता है ,ऐसे समय अपने बच्चे को ही इस बात से अवगत करा दे की वह अपना ध्यान खुद रखें7

अपने बच्चे को ट्यूशन भेजने से पहले उसे मानसिक रूप से तैयार केर दे की उसे क्या पढाई करना है7

आप अपने बच्चे को बेहतर बनाने के लिए उसकी हर मुश्किल आसान करते है। जब आप किसी विषय को समझाने में मुश्किल का सामना करते है तो ट्यूशन का सहारा लेते है लेकिन ट्यूशन पढ़ते समय बच्चा अकेले ही होता है, इसलिए आपको इन बातों का ध्यान रखना होगा।

अपने बच्चे को ट्यूशन भेजने से पहले उसे मानसिक रूप से तैयार केर दे की उसे क्या पढाई करना है।

उसके साथ ले जाने वाली किताब कॉपी सही से रखें।

एक माता-पिता होने के नाते आपकी जिम्मेदारी बनती है कि पता करे कि ट्यूशन टीचर आपके बच्चे को ठीक से पढ़ा रहे है या नहीं।

कभी- कभी ट्यूशन टीचर लापरवाही बरतने लगते है , समय- समय पे यह पता करते रहना चाहिए की कही वे समय तो नहीं बिता रहे है। यदि ऐसा है तो पहले उस टीचर से बात करनी चाहिए, संतुष्टि न मिलने पर टीचर बदल देना चाहिए।

कुछ समय के बाद यह अवश्य पता करे की बच्चे को जो पढ़ाया जा रहा है वह सही है या नहीं क्योकि एक बार गलत जानकारी मिलने पर बच्चे की दिशा ही बदल जाएगी और बच्चा दिग्भर्मित हो जायेगा।

टीचर का बच्चे पर बहूत प्रभाव पड़ता है ।जब तक बच्चा छोटा है तब तक माँ ही उसकी टीचर है, उससे अच्छा कोई उसे पढ़ा नहीं सकता है ।यदि समय की कमी हो तभी अपने बच्चे को ट्यूशन पढ़ने भेजे अन्यथा नहीं।

वहीं जब आपका बच्चा बड़े क्लास में पहुँचता है तो उसके लिए ट्यूशन या कोचिंग करना आवश्यक हो जाता है ,ऐसे समय अपने बच्चे को ही इस बात से अवगत करा दे की वह अपना ध्यान खुद रखें। उसे बतायें कि लापरवाही से उसका भविष्य ही खराब होगा।

अन्य किताबें भी दें...

अभिभावक बच्चों की पढ़ाई को लेकर परेशान रहते हैं और उनपर बेहतर प्रदर्शन का दबाव डालते हैं। यह कुछ हद तक सही है पर केवल पढ़ाई से ही बच्चों का पूरा विकास नहीं हो सकता। तेजी से बढ़ते जमाने के साथ चलने के लिए उन्हें अन्य क्षेत्रों की भी जानकारी दें। आम तौर पर अधिकांश अभिभावकों को लगता है कि बच्चे स्मार्ट और तेज दिमाग ज्यादा पढ़ाई करने से बनते हैं लेकिन पढ़ाई के अलावा भी बहुत सी ऐसी चीजें हैं जो बच्चे को समझदार और तेज दिमाग बनाती हैं। जिसके लिए माता.पिता को कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। स्कूल की किताबों के अलावा बच्चों को स्टोरी बुक्स पढ़ने की आदत डालें। कहानी की किताब पढ़ने से बच्चों का दिमाग क्रिएटिव बनता है। साथ ही बच्चे समझदार भी बनते हैं बच्चों को साथ बिठाकर होमवर्क करवाएं। बच्चों से एक दोस्त की तरह बात करें उनकी परेशानियों को जानने की कोशिश करें। साथ ही जीवन में उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। अपने बच्चे को आउटडोर गेम्स खेलने पर जोर दें क्योंकि मैदान में जाकर खेलने से बच्चा शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनता है।

बच्चों के लिए इस प्रकार बनाएं घर पर ही माउथ फ्रेशनर

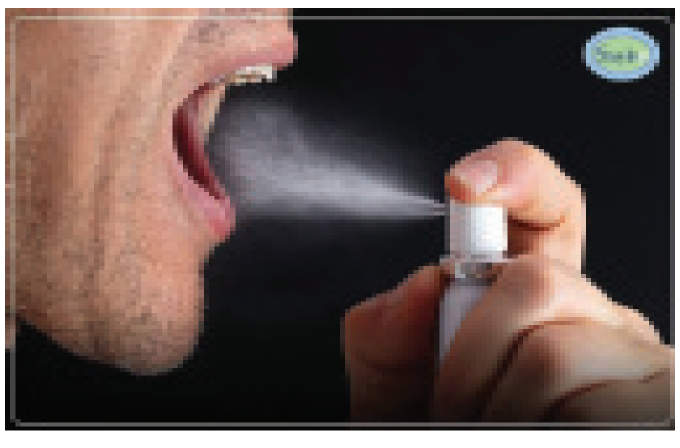

अगर आज मानते हैं कि माउथ फ्रेशनर की आवश्यकता केवल बड़ों को होती है तो अपना विचार बदल दें। इसका कारण है कि बच्चों के भी दांत खराब हो सकते हैं इसलिए हमारी तरह ही छोटे बच्चों को भी माउथ फ्रेशनर की आवश्यकता होती है पर बाजार में बिकने वाले माउथ फ्रेशनर उनके लिए नुकसानदेह हो सकते हैं क्योंकि उनमें बहुत अधिक मात्रा में रसायन होते हैं। ऐसे में उनके लिए एक ऐसा माउथ फ्रेशनर होना चाहिए जो पूरी तरह प्राकृतिक हो और स्वाद में भी कड़वा न हो। आप चाहें तो अपने बच्चों के लिए घर पर ही माउथ फ्रेशनर तैयार कर सकती हैं। अनार के छिलकों का इस्तेमाल करके माउथ फ्रेशनर बनाया जा सकता है। ये माउथ फ्रेशनर न केवल बच्चों के लिए फायदेमंद रहेगा बल्कि बड़े भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं.

अनार के छिलके में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाया जाता है, जो ओरल हेल्थ के लिए अच्छा होता है। अनार के छिलके से तैयार माउथ फ्रेशनर मुंह के अल्सर और मुंह की दुर्गंध को दूर करने का काम करता है।

अनार का एंटी-माइक्रोबायल एक्टिविटी स्ट्रेपटोकोक्स म्यूटेन बैक्टीरि?या को पनपने नहीं देता है.

कैसे तैयार करें अनार के छिलके का माउथ फ्रेशनर?

अनार को काटकर उसके दानों को सफाई से निकाल लें. अनार के छिलके को धूप में सूखने के लिए रख दें।

जब छिलके पूरी तरह सूख जाएं तो उन्हें पीसकर पाउडर तैयार कर लें।

एक गिलास पानी में एक चम्मच इस पाउडर को मिलाकर उबालें। इसे ठंडा होने दें। जब ये घोल ठंडा हो जाए तो इस छान लें।

इस तरल को किसी जार या शीशी में भरकर रख दें।

आपका माउथ फ्रेशनर तैयार है. बच्चा जब भी कुछ खाए तो उसे माउथ फ्रेशनर से मुंह साफ करने की आदत डालें। ऐसा करने से दांतों में कैविटी की समस्या भी नहीं होगी।

इस प्रकार कमजोर बच्चे भी तेज बनेंगे

हर माता पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़ाई में सबसे अच्छा बने पर कई बार कुछ बच्चे पीछे रह जाते हैं। इससे परेशान न हों और न ही कठोर रुख अपनायें। कई बार बच्चों के पढ़ाई न करने पर अभिभावक इसे उनकी शरारत समझ लेते है लेकिन जरुरी नहीं कि बच्चा जानबूझकर ऐसा कर रहा हों। कई बच्चों का खान-पान ठीक न होने के कारण उन्हें पढ़ने या याद रखने में कठिनाई होती है। अक्सर मां-बाप इस बात से परेशान रहते हैं कि उनका बच्चा स्लो लर्नर है। कई बार तो बच्चें याद किया हुआ काम भी कुछ ही दिनों में भूल जाता है। ऐसे में आपको परेशान होने की बजाएं सब्र से काम लेने की जरुरत है। इसके लिए ये उपाय करें

अक्सर बच्चों के न पढ़ने पर अभिभावक उन्हें डांटने लग जाते है या फिर बच्चें की तुलना दूसरे बच्चों से करने लग जाते है। इससे बच्चें का आत्मविश्वास कमजोर हो जाता है और वो जानबूझ कर पढ़ाई पर ध्यान नहीं देता। बच्चें को डांटने की बजाए उसकी नियमित डाइट में दालचीनी को शामिल कर दीजिए। रोजाना इसका का सेवन करने से बच्चें का दिमाग तेज होगा और उसे याद करने में प्रॉब्लम नहीं होगी।

अच्छी नींद के लिए-अक्सर बच्चें नींद कम होने के कारण ठीक से याद नहीं रख पाते। नींद पूरी न होने के कारण बच्चों का शरीर और दिमाग ठीक से काम नहीं करता जिससे वो ठीक से याद नहीं रख पाते। कई बार तो बच्चे छोटी से छोटी बात को भी भूल जाते है। ऐसे में बच्चों को सोने से पहले एक गिलास दालचीनी वाला दूध दें। इससे उनको नींद अच्छी आएगी।

विषय में रुची-अभिभावक इस बात को नहीं समझते की हर बच्चा एक समान नहीं होता है। कुछ बच्चों की रुची कुछ विषयों में नहीं होती लेकिन अभिभावक उन्हें पढ़ाने के लिए बाध्य करते है। जिसके कारण वो दूसरे विषयों पर भी ध्यान नहीं दे पाते। ऐसी हालत में आप अपने बच्चों को रोजाना दालचीनी का सेवन कराएं। दालचीनी का सेवन करने से उनकी स्मरण शक्ति बेहतर हो जाएगी।

प्राथमिक शिक्षा से ही बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें

बच्चे का सबसे पहला विद्यालय उसका घर और सबसे पहले गुरु उसके माता-पिता होते हैं। शिशु शुरुआती अवस्था में अपने माता-पिता से ही सारी क्रियाएं सीखता है और अपना ज्ञान अर्जित करता है। माता-पिता न सिर्फ बच्चों को अच्छी शिक्षा देते हैं बल्कि सही-गलत की पहचान कराते हुए बच्चों का स्वर्णिम भविष्य बनाने का भी काम करते हैं। बच्चे माता-पिता का मार्गदर्शन पाकर सभी कठिनाईयों पर विजय पाते हुए अपने सपने को साकार करते हैं। दरअसल माता-पिता के व्यवहार और क्रियाओं का उनके बच्चों पर सीधा प्रभाव पड़ता है। यदि घर में कुछ गलत होता है तो बच्चे गलत सीखते हैं। इसी तरह यदि घर का वातावरण सही होता है तो बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलती है। इसलिए सबसे पहले माता-पिता की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण होती है। माता-पिता के रूप में आप जैसा करेंगे, आपके बच्चे वैसा ही सीखने की कोशिश करेंगे। यदि आप अपने बच्चे के भविष्य को सुंदर बनाना चाहते हैं, अपने सपनों को सच कर दिखाना चाहते हैं तो यह बहुत जरूरी है कि आप बच्चों के लिए एक रोल मॉडल बनें। बच्चों के सामने स्वयं एक बेहतर उदाहरण बनें ताकि इसका सकारात्मक प्रभाव आपके बच्चे पर पड़े। आइए जानते हैं कि माता-पिता के रूप में आप साधारण बातों को भी किस तरह से बेहतर बना सकते हैं और बच्चों के लिए एक रोल मॉडल बन सकते हैं। बच्चों के पहले शिक्षक माता-पिता होते हैं- जन्म के बाद शिशु लगातार माता-पिता के साथ रहकर बोलना, खाना, पीना, खेलना, लिखना या अन्य गतिविधियां सम्पन्न करना सीखता है। छोटे बच्चे के लिए यह एक औपचारिक विद्यालय जैसा होता है। इसी तरह बच्चा जब थोड़ा बड़ा या युवा होता है तब वह घर में माता-पिता को एक दूसरे को सहयोग करते देखता है। पिता को घर के बाहर के कार्यों को निपटाते हुए माता का सहयोग करते देखकर बच्चों में मदद करने की भावना का निर्माण होता है। इससे बच्चे घर के कार्यों में माता की मदद करना सीखते हैं। वास्तव में किसी भी बच्चे के लिए यह पाठ सामाजीकरण का प्रथम चरण माना जाता है। इसलिए माता-पिता को घर में एक कोच जैसी भूमिका निर्वाह करनी चाहिए। आप घर में जो भी कार्य करें उसे पूरी तरह सुव्यवस्थित ढंग से करें। एक-दूसरे के साथ बातचीत में सम्मानसूचक शब्दों का इस्तेमाल करें। ऐसा व्यवहार करने की कोशिश करें जो घर में शांति स्थापित कर और शिशु के मानसपटल पर अच्छा प्रभाव डाले। शिशु को घर की बातों के साथ-साथ घर के बाहर होने वाली अच्छी बातों की सीख देने की कोशिश करें।

प्यार से समझाएं

बच्चों के साथ समय बिताएं- बच्चे छोटे हों या बड़े, सभी माता-पिता से प्यार चाहते हैं। वास्तव में प्यार एक ऐसी दवा है जो बच्चों के साथ बड़ों की आदतों को भी अच्छा बना सकता है। खासकर छोटे बच्चे को आप सिर्फ प्यार से ही कोई बात सिखा सकते हैं। इसलिए आप अपने कीमती समय में से कुछ पल निकालें जो सिर्फ आपके बच्चों के लिए ही हों। उन पलों में आप यह जानने की कोशिश करें कि आपका बच्चा आपसे क्या कहना चाहता है? उसके दिमाग में क्या चल रहा है? उसकी दैनिक क्रियाएं कैसी चल रही हैं? उसे क्या पसंद है? वह किस बात से नाराज है? आप रोज थोड़ा समय निकालकर अपने बच्चों की गतिविधियों को और बेहतर कर सकते हैं। सभी बच्चों का दिमाग होता है अलग – सभी बच्चों की प्रकृति एक जैसी नहीं होती, इसलिए बच्चों के सीखने के तौर-तरीकों में अंतर होता है। कुछ बच्चे किसी बात को देखकर ही सीख जाते हैं तो कुछ बच्चे उस बात को स्वयं संपादित कर सीखते हैं। इसलिए अपने बच्चों के मस्तिष्क को पढ़ने की कोशिश करें। यह जानने की कोशिश करें कि आपका बच्चा चीजों को किस तरह से सीखता है। सभी कार्यों को प्रेरणादायक बनाने की कोशिश करें ताकि आपका बच्चा देखकर सही चीज सीखे। यदि आपके बच्चे की शैली कार्यों को स्वयं संपादित कर सीखने की है तो आपको इस बात पर अधिक ध्यान देना होगा। ऐसी स्थिति में आपको स्वयं एक रोल मॉडल बनकर बच्चे के साथ उसके कार्यों को सही तरीके से सम्पन्न करने में मदद करनी चाहिए।

संत भी प्रेरित होते थे ब्रह्मकुमारीज प्रेम बहन से

डॉ श्रीगोपाल नारसन

प्रेमलता बहन का यह सौभाग्य रहा कि उन्हें बचपन से ही ईश्वरीय ज्ञान मिलना शुरू हो गया था।वे बचपन से ही ब्रहमाकुमारीज संस्था से जुड़ गई थी। 18 जनवरी 1940 में जन्मी प्रेम लता बहन को सन 1952 में ईश्वरीय ज्ञान मिला और सन 1956 में वे इस ज्ञान के सागर में जीवनभर के लिए समर्पित ही गई। ब्रह्माकुमारी प्रेमलता के अंदर ब्रहमाकुमारीज संस्था के संस्थापकब्रहमा बाबा ने ईश्वर के प्रति मधुर मिलन की ललक देखी, तोउन्होंने उन्हें अपने सानिध्य में ले लिया। ब्रहमा बाबा चाहते थे, कि परमात्मा शिव का ईश्वरीय ज्ञान भक्ति मार्ग के साधु संतों को भी मिले।जिसके लिए उन्होंने ब्रहमाकुमारी प्रेमलता बहन को इस ईश्वरीय सेवा के लिए निमित्त बनाया और उन्हें हरिद्वार में जाकर साधू संतों को ईश्वरीय ज्ञान बांटने की सेवा दी।

निराकार परमपिता परमात्मा शिव के दिव्य ज्ञान एवं राजयोग शिक्षा को संत समाज व देवभूमि में फैलाने वाली प्रेमलता दीदी जी, न केवल ब्रह्मा कुमारी संगठन को, अपितु समग्र देवभूमि को, एक पिता परमात्मा और एक दिव्य परिवार मानकर वैशिक शांति, एकता, भाईचारा, सहयोग एवं वसुधैव कुटुम्बकम की भावना व आदर्शो को देश विदेश में खूब प्रचारित, प्रसारित और सुदृढ करती रही।प्रेमलता दीदी जी सभी वर्गों के लिए आध्यात्मिक सेवाओं का प्रावधान पूरी दिल से करती थी । हर वर्ष साधु संतों के लिए खास राजयोग शिविर, स्नेह मिलन, संगोष्ठियां एवं सम्मेलन आदि कराकर वे सन्तो के बीच बेहद लोकप्रिय रही।उनका मानना था, संत समाज से ही सही जनजागृति, समाज, संस्कृति, प्रकृति, पर्यावरण एवं विश्व कल्याण सम्भव है। मूल्य निष्ठ, साकारात्मक एवं संवेदनशील आध्यात्मिकता मार्ग से ही संभव है।यही मार्ग शक्तिशाली उत्प्रेरक है, जो जन मानस व देश समाज को सही दिशा और दशा प्रदान कर सकता है।

उनका कहना था, आध्यात्मिकता ही स्वच्छ, स्वस्थ, संतुलित, समृद्ध और सुखमय जीवन, समाज, संस्कृति व संसार निर्माण का आधार है। नैतिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक उत्थान हेतु वे सदा तत्पर रहती थी।जीवन को स्वस्थ, सुखी, सात्विक, समृद्ध एवं संतुलित बनाने हेतु प्रेमलता दीदी जी संतो को आध्यात्मिक ज्ञान, राजयोग ध्यान, मानवीय मूल्य, सादा, स्वस्थ और सकारात्मक जीवन शैली अपनाने हेतु प्रेरित करती थी। देवभूमि उत्तराखंड में, समय – समय पर और जगह –जगह पर राजयोग मैडिटेशन शिविर लगवाकर वे जन मानस को स्वस्थ, नशामुक्त तथा व्यसन मुक्त रखने का हर संभव प्रयास करती रही। राजयोगिनी बीके प्रेमलता दीदी सन्तो के बीच जाकर पहले उनकी सुनती थी और फिर उन्हें बड़े सम्मान के साथ ईश्वरीय ज्ञान देने लगती।संत समाज के लोग भी प्रेम बहन के रूहानी आभामंडल में खोकर स्वयं को शिष्य समान समझने लगते और लगता जैसे प्रेम बहन हैड मास्टर के रूप में उन्हें धर्म और आध्यात्म का पाठ पढ़ा रही हो,वे कहती थी,आज भी हम परमात्मा शिव को पहचान नही पा रहे है।जबकि यह सच है कि कोई एक चेतन तत्व जिसे हम आत्मा कहते है, वह हमारे शरीर में रहकर शरीर की सभी गतिविधियों को संचालित करता है। हमारी भृकुटि में रहने वाली आत्मा शरीर में जो कुछ भी होता है उससे सदा अप्रभावित रहती है। यह चेतन तत्व रूपी सदा ही इतिहास के परे का सच है। यदि चेतन तत्व यानि आत्मा का कनेक्शन परम तत्व यानि परमात्मा से जुड़ जाए तो यह तत्व संसार में जो कुछ भी हो रहा है उसे नियंत्रित तो नही कर सकता लेकिन दृष्टा अवश्य बन सकता है। शरीर की मृत्यु पर यही चैतन्यस्वरूप आत्मा वर्तमान शरीर को छोड़कर नया शरीर धारण कर लेती है। जब यह प्रश्न मन मे उठता है कि मृत्यु के बाद मेरा क्या होगा? इस प्रश्न में मेरा शब्द उस शरीर की ओर संकेत कर रहा है, जो प्रति क्षण बदल रहा है। मेरी मृत्यु के बाद जो कुछ भी होगा, वह उसी शरीर का होगा जिसने मेरे जन्म के समय वह शरीर धारण किया था, जिसे मैं अपना शरीर कहता आया हूं। अगर हम अपने जन्म के पहले से उस तत्व को जान लें तो फिर यह प्रश्न ही नहीं रहता कि मृत्यु के बाद मेरा क्या होगा?प्रेम बहन ने जीवनपर्यंत परमात्मा शिव से सकास लेकर दादा लेखराज यानि ब्रह्माबाबा के जीवन से सब कुछ सीखा। उनके आध्यात्मिक अनुभवों से अपनी आध्यात्मिक शक्तियों को जगाने का काम किया।उन्हें शत शत नमन।

(लेखक ब्रह्माकुमारीज मीडियाविंग के राज्य समन्वयक है)

देश की युवा पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हुनरमंद लोगों के कौशल का किया साझा : नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लाडवा विस क्षेत्र के धनौरा जाटान बूथ पर नागरिकों के साथ सुना मन की बात कार्यक्रम

लाडवा, 26 जुलाई (रामगोपाल): मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने के लिए हुनरमंद लोगों के कौशल को मन की बात कार्यक्रम के दौरान साझा किया। प्रधानमंत्री हर महीने मन की बात की कार्यक्रम में ऐसे लोगों के कौशल को साझा करते है, जो दूसरे लोगों को आत्मनिर्भर बनने के लिए स्वरोजगार शुरु करने का हौंसला देते है। ये कदम प्रधानमंत्री के विकसित भारत के सपने को साकार करने की महत्वपूर्ण कड़ी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को लाडवा विधानसभा क्षेत्र के आईजीएन कॉलेज में स्थित धनौरा जाटान बूथ पर प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को नागरिकों के बीच बैठकर सुना और इसके उपरांत नागरिकों से इस पर चर्चा भी की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कारगिल विजय दिवस पर विभिन्न खेलों के विजेता खिलाडियों को बधाई दी। इसके साथ ही एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील की। प्रदेश में 1 करोड़ 86 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में पौधे रोपित किए जा रहे है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि परिवार में किसी खुशी के मौके जैसे जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ इत्यादि पर पौधा रोपित करे ।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप आज हमें एक ऐसा विकसित भारत-विकसित हरियाणा बनाना है, जहां विकास का अर्थ केवल बड़ी इमारतें और चौड़ी सडके न हो। विकास का अर्थ उस गरीब मां के चेहरे की मुस्कान हो, जिसके बेटे को रोजगार मिला है। विकास का अर्थ उस बेटी का आत्मविश्वास हो, जिसने प्रशिक्षण लेकर अपना काम शुरू किया है। विकास का अर्थ उस श्रमिक का सम्मान हो, जिसे अपनी मेहनत का उचित अवसर मिला है। विकास का अर्थ यह विश्वास हो कि सरकार कठिन समय में परिवार के साथ खड़ी एक संवेदनशील साथी है इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन, मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी, एडीसी विवेक आर्य, एसडीएम अनुभव मेहता, चेयरमैन सुभाष कलसाना, भाजपा के वरिष्ठ नेता जयभगवान शर्मा डीडी, चेयरमैन गुरनाम सैनी, चेयरमैन रविंद्र सांगवान, जिलाध्यक्ष रमेश सैनी, चेयरपर्सन साक्षी खुराना, चेयरमैन डा. गणेश दत्त, चेयरमैन सतीश मथाना, मीडिया कोआर्डिनेटर तुषार सैनी, प्रधान जितेंद्र खैरा, प्रदेश सचिव राहुल राणा, मंडलाध्यक्ष शिव गुप्ता, मंडलाध्यक्ष विकास शर्मा, मंडलाध्यक्ष नरेंद्र दबखेड़ा, मंडलाध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, सतबीर मंगोली, नायब सिंह पटाक माजरा, पूनम सैनी सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

धर्म का वास्तविक स्वरुप समाज को जोड़ना और मानवता की सेवा : रेणु बाला गुप्ता

दयानंद नगर खेड़ा समिति के पावन हवन व भंडारे में महापौर ने की श्रद्धापूर्वक सहभागिता

करनाल, 26 जुलाई (सुमनलत्ता): मॉडल टाउन स्थित दयानंद कॉलोनी में रविवार को दयानंद नगर खेड़ा समिति द्वारा आयोजित पावन हवन एवं विशाल भंडारे में महापौर रेणु बाला गुप्ता ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता की। उन्होंने नगर खेड़े महाराज के श्रीचरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही हवन में पूर्ण भक्तिभाव से आहुति अर्पित करते हुए श्रद्धालुओं संग धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होकर समाज में आस्था, सेवा और सामाजिक एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि धार्मिक आयोजन केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं होते, बल्कि समाज को जोड़ने, सेवा की भावना को सशक्त बनाने और हमारी सनातन सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम हैं। ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता, आपसी सौहार्द, सहयोग और मानवता के मूल्यों को मजबूत करते हैं। साथ ही समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि जब पूरा समाज एक मंच पर आस्था और सेवा के भाव से जुड़ता है तो सामाजिक चेतना भी और अधिक सुदृढ़ होती है ।महापौर रेणु बाला गुप्ता ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि दयानंद नगर खेड़ा समिति वर्षों से धार्मिक परंपराओं के संरक्षण और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने का सराहनीय कार्य कर रही है। ऐसे आयोजन आपसी विश्वास, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा देते हैं। जब समाज एकजुट होकर धर्म और सेवा के मार्ग पर चलता है, तभी राष्ट्र भी मजबूत होता है। उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए समिति और सभी सहयोगियों को शुभकामनाएं दीं।

नागरिकों से किया संवाद

इस दौरान महापौर ने पवन कांबोज, मांगे राम, बाबू राम, गिन्नी विर्क, संदीप शर्मा सहित अन्य गणमान्य वरिष्ठजनों एवं सम्मानित नागरिकों से आत्मीय भेंट कर उनका अभिवादन किया और सामाजिक विषयों पर संवाद किया। आयोजन का वातावरण श्रद्धा, भक्ति, सेवा और सद्भाव से ओत-प्रोत रहा।

मन की बात से विकसित भारत के जन आंदोलन को मिल रही नई ऊर्जा : मनोहर लाल

पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में केंद्रीय मंत्री सहित महापौर और अन्य गणमान्य जनों ने सुना प्रधानमंत्री का 136वां मन की बात कार्यक्रम

करनाल,26 जुलाई (प्रवीन कुमार): केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लोकप्रिय मासिक संवाद कार्यक्रम मन की बात देशवासियों को राष्ट्र निर्माण, जनभागीदारी और सकारात्मक परिवर्तन के लिए निरंतर प्रेरित कर रहा है। यह कार्यक्रम विकसित भारत के संकल्प को जनआंदोलन का स्वरूप देने के साथ-साथ समाज में सेवा, स्वच्छता, नवाचार, आत्मनिर्भरता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी सशक्त बना रहा है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने रविवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में मन की बात कार्यक्रम के 136वें एपिसोड का प्रसारण देखा। इस दौरान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के साथ महापौर रेणु बाला गुप्ता ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचार सुने। इस संदर्भ में महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि मन की बात केवल एक नियमित कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को राष्ट्रहित में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने वाला सशक्त माध्यम बन चुका है। प्रधानमंत्री के प्रेरक विचार जनसेवा,

वन महोत्सव केवल अभियान नहीं, आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करना हमारी जिम्मेदारी : डॉ. आशिमा गक्खड़

दयाल सिंह कॉलेज में वन महोत्सव के तृतीय दिवस पर इंडियन सोसायटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजिस्ट्स, करनाल द्वारा फलदार एवं पर्यावरण हितैषी पौधों का रोपण

करनाल, 26 जुलाई (संदीप रोहिला): दयाल सिंह कॉलेज, करनाल में वन महोत्सव के अंतर्गत आयोजित सात दिवसीय पौधारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता अभियान के तृतीय दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी-आर्मी विंग एवं एयर विंग), रेडक्रॉस सोसायटी तथा इको क्लब के संयुक्त तत्वावधान में एक प्रेरणादायी पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इंडियन सोसायटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजिस्ट्स, करनाल के चिकित्सकों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए कॉलेज परिसर में फलदार, छायादार एवं पर्यावरण हितैषी पौधों का रोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश दिया ।कार्यक्रम का शुभारंभ पौधारोपण के साथ हुआ, जिसमें उपस्थित सभी अतिथियों एवं स्वयंसेवकों ने विभिन्न प्रकार के पौधे लगाकर प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर कॉलेज परिसर को अधिक हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से आम, जामुन, अमरूद, नीम, पीपल, अर्जुन, कचनार सहित अनेक उपयोगी एवं पर्यावरण हितैषी पौधों का रोपण किया गया ।कॉलेज की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) आशिमा गक्खड़ ने अपने संदेश में कहा कि वृक्ष प्रकृति का अमूल्य उपहार हैं और पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन एवं प्राकृतिक संसाधनों के निरंतर दोहन को देखते हुए पौधारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। उन्होंने कहा कि वन महोत्सव का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उन्हें संरक्षित कर आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं समाज के सभी वर्गों से आह्वान किया कि वे प्रत्येक वर्ष अधिकाधिक पौधे लगाएँ तथा उनकी नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखें ।इस अवसर पर इंडियन सोसायटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजिस्ट्स, करनाल के प्रतिनिधि डॉ. विवेक गक्खड़ ने कहा कि स्वस्थ पर्यावरण और स्वस्थ समाज एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार चिकित्सक मानव जीवन को सुरक्षित रखने का कार्य करते हैं, उसी प्रकार वृक्ष पृथ्वी पर जीवन को सुरक्षित रखने का आधार हैं।

बल्कि वायु प्रदूषण को कम करने, जल संरक्षण, जैव विविधता के संरक्षण तथा जलवायु संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।